डोनाल्ड ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्हें 50 राज्यों की 538 में से 277 सीटें मिली हैं, बहुमत के लिए 270 सीटें जरूरी होती हैं।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:182 दिनांक:07-11-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 6 नवंबर, 2024 को कहा कि विधानसभा ने तत्कालीन राज्य के विशेष दर्जे की बहाली के लिए बातचीत की मांग करने वाला प्रस्ताव पारित कर दिया है।

अमेरिकी चुनाव...रिपब्लिकन पार्टी को संसद में बहुमत, 538 इलेक्टोरल वोट में से रिपब्लिकन को 277 और डेमोक्रेट को 224 वोट मिले

ट्रम्प का 47वां राष्ट्रपति बनना तय!

-अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले लीडर हैं जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला उम्मीदवारों को हराया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका चुनाव के नतीजों से यह साफ हो गया है कि यूनाइटेड स्टेट्स में एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप की सरकार बनने जा रही है। वोटों की गिनती में ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन ने बहुमत का आंकड़ा छू लिया है। वहीं डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में पीछे रह गई हैं। डोनाल्ड ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्हें 50 राज्यों की 538 में से 277 सीटें मिली हैं, बहुमत के लिए 270 सीटें जरूरी होती हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद 224 सीटें ही जीत पाईं। ट्रम्प 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे और 2020 में जो बाइडेन से हार गए थे। ताजा नतीजों के बाद ट्रम्प दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहले राजनेता हैं, जो 4 साल के गैप के बाद दोबारा राष्ट्रपति बनेंगे। वहीं, अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले लीडर हैं जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला उम्मीदवारों को हराया है। अमेरिका में ऐसा सिर्फ दो बार 2016 और 2024 में हुआ है जब वहां महिला राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी थीं।

सबसे खास बात है कि इस बार ट्रंप को मुस्लिम वोटर्स का भी समर्थन मिला है। यहां मिशिगन राज्य में ट्रंप ने कमला हैरिस को हरा दिया है जबकि वहां मुस्लिम वोटर्स की अच्छी संख्या होने की वजह से हमेशा डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बाजी मारते आए हैं। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ और मुस्लिम वोटरों का झुकाव ट्रंप की ओर देखने को मिला।

4 साल के अंतराल पर दोबारा जीत

डोनाल्ड ट्रम्प का अमेरिका का राष्ट्रपति बनना तय हो गया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ट्रम्प ऐसे पहले राष्ट्रपति बन गए हैं, जिन्होंने 4 साल के अंतराल पर दोबारा जीत हासिल की है। ट्रम्प 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे। 2020 का चुनाव वे जो बाइडेन से हार गए थे। 132 साल पहले ग्रोवर क्लीवलैंड 2 बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने 4 साल के अंतराल पर 1884 और 1892 के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी। चुनाव में जीत तय होने के बाद ट्रम्प ने अमेरिका के लोगों को शुक्रिया कहा है। उन्होंने कहा- हमने वो कर दिखाया जो लोगों को असंभव लग रहा था। मैं देश की सभी समस्याओं को दूर करूंगा। अलास्का, नेवादा और एरिजोना में जीत हासिल करना मेरे लिए बड़ी बात है। यह अविश्वसनीय है। ट्रम्प ने कहा कि मैं अमेरिकी लोगों के परिवार और उनके भविष्य के लिए लड़ूंगा। अगले 4 साल अमेरिका के लिए अहम हैं। ट्रम्प ने कहा कि यह अमेरिका के इतिहास की सबसे शानदार जीत है। ट्रम्प ने इलॉन मस्क की तारीफ करते हुए कहा- इलॉन एक स्टार हैं। चुनाव प्रचार में उन्होंने रॉकेट की तरह उड़ान भरी।

रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत

अमेरिका की 538 सीटों में से ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी बहुमत (270 सीटें) से सिर्फ 3 सीटें दूर है। अब तक रिपब्लिकन को 267 सीटों पर जीत मिल चुकी है। वहीं, कमला हैरिस की पार्टी ने 224 सीटों पर जीत दर्ज की है। दोनों के बीच सिर्फ 43 सीटों का फर्क है। हालांकि बचे हुए सभी 5 राज्यों में ट्रम्प बढ़त बनाए हुए हैं। ऐसे में कमला कड़ी टक्कर देने के बावजूद चुनाव लगभग हार चुकी हैं। राष्ट्रपति चुनाव के साथ ही अमेरिकी संसद के दोनों सदन सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के भी चुनाव हुए हैं। रिपब्लिकन पार्टी को सीनेट में बहुमत मिल गया है और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में लीड कर रहा है।

अमेरिका को महान बनाऊंगा

जीत के बाद अमेरिकी लोगों को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा कि एक बार फिर से अमेरिका को महान बनाऊंगा। भगवान ने मेरी जान इसी दिन के लिए बचाई थी। ट्रम्प पर 13 जुलाई को पेंसिलवेनिया में हमला हुआ था। इसमें एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। हमले में उनकी जान बाल-बाल बची थी।

मुस्लिमों का ट्रंप को अच्छा समर्थन

मुस्लिमों का ट्रंप को अच्छा समर्थन मिलना डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए किसी झटके से कम नहीं है। आमतौर पर अमेरिका में मुस्लिमों का समर्थन इसी पार्टी को रहा है। वहीं रिपब्लिकन को हमेशा मुस्लिमों के खिलाफ फैसला लेने वाली पार्टी कहा जाता रहा है। लेकिन अभी इजरायल- गाजा युद्ध की वजह से जो विश्व में हालात हैं, उससे ट्रंप को फायदा मिलता हुआ नजर आ रहा है। ट्रंप ने चुनाव जीतकर अपनी पहली स्पीच में ही मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने की बात एक बार फिर कही है। वह लगातार युद्ध को रुकवाने की बात कर रहे हैं जो कहीं न कहीं मुस्लिमों को अच्छा लग रहा है। जबकि ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में कई मुस्लिम देशों पर ट्रैवल बैन लगा दिया था। ट्रंप की सरकार जाने के बाद जब जो बाइडन सत्ता में आए तो उन्होंने यह बैन हटाया। ट्रंप इस बार भी अपनी रैलियों में ट्रैवल बैन लगाने की लगातार बात करते रहे हैं। इसके बाद भी मिशिगन राज्य में ट्रंप को मिला सपोर्ट डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए चौंकाने वाला जरूर है।

खेल कर गया मिडिल ईस्ट में शांति लाने का ट्रंप का वादा

हाल ही में मिशिगन में जब ट्रंप ने रैली की तो उसमें कुछ मुस्लिम नेताओं को भी आमंत्रित किया था। रैली के दौरान ट्रंप ने कहा भी था कि अरब अमेरिकी और मुस्लिम वोटर्स इजरायल और गाजा में अमेरिका की विदेश नीति को लेकर निराश हैं। ट्रंप ने मिशिगन के डियरबोर्न शहर में कहा था कि यहां रहने वाले अरब मुस्लिम वोटर्स इस चुनाव को एक तरफ से दूसरी तरफ कर सकते हैं। आपको बता दें कि जिस शहर में ट्रंप ने यह बात कही, वह पिछले साल ही अमेरिका का मुस्लिम बहुल आबादी वाला शहर बना था। जहां करीब 55 फीसदी आबादी मुस्लिम है जो मध्य-पूर्व या उत्तरी अफ्रीका से हैं।

मुसलमानों को कहां नाराज कर बैठे बाइडन

हमास और इजरायल का युद्ध जब से ज्यादा बढ़ा तब से ही अमेरिका ने लगातार इजरायल की सहायता की। यहां तक कि डेमोक्रेटिक पार्टी को मुस्लिम समुदाय का हमेशा समर्थन रहा, उसके बावजूद बाइडन प्रशासन ने युद्ध के लिए इजरायल को लगातार सैन्य मदद की है। इसी वजह से अरब अमेरिकी और अन्य मुस्लिम मतदाताओं में नाराजगी देखने को मिली है। इसी नाराजगी का फायदा ट्रंप ने भी उठाने की कोशिश की है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि मुस्लिम वोटर्स सिर्फ बाइडन ही नहीं बल्कि कमला हैरिस से भी निराश हैं। कमला हैरिस फिलीस्तीनी समर्थकों और युद्ध विरोधी कार्यकर्ताओं के निशाने पर रही हैं। इसी वजह से लोगों में यह भी सवाल रहा कि मिडिल ईस्ट में बाइडन प्रशासन की जो नीतियां हैं, उनसे उनकी नीति कैसे अलग होगी?

पीएम मोदी ने ट्रम्प को बधाई देते हुए शेयर की तस्वीरें

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत के लिए बधाई देते हुए एक्स पर ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने कई फोटो भी शेयर किये। इनमें पीएम मोदी, ट्रंप के साथ नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रम्प को हार्दिक बधाई।।।आपकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ाएंगे, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को फिर शुरू करने करने के लिए उत्सुक हूं। आइए, मिलकर अपने लोगों की भलाई के लिए और वैश्विक शांति, स्थिरता व समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें।

दिल्ली सरकार चिटफण्ड और हाई रिटर्न निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर नकेल कसेगी

- वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए नया नियम लेकर आई दिल्ली सरकार, सीएम आतिशी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने धोखाधड़ी वाली वित्तीय योजनाओं पर रोक लगाने के लिए नए नियम बनाए हैं। ये नियम लोगों को उन फर्जी योजनाओं से बचाने के लिए हैं, जो झूठे वादे और हाई रिटर्न निवेश के नाम पर लोगों के पैसे हड़प लेती हैं। अब सरकार के पास ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई करने के अधिकार होंगे, जिसमें जांच और संपत्तियों की जब्ती भी शामिल है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, ''लंबे समय से लोग ऐसे झूठे वादों में फंसते रहे हैं जो उन्हें बड़ा मुनाफा देने का दावा करते हैं लेकिन अंत में उनका नुकसान होता है। इन नए नियमों के जरिए दिल्ली सरकार ऐसे धोखेबाजों पर कड़ी नज़र रखेगी।''

बता दे कि, नए नियमों में सरकार ने स्वयं सहायता समूहों (एप्जे) के लिए एक सीमा तय की है ताकि उनके काम में कोई रुकावट न आए। अब किसी भी सदस्य द्वारा हर महीने 50,000 रुपये तक का योगदान और साल में 5 लाख रुपये तक का योगदान नियमों से बाहर रहेगा। इस तरह छोटे और वास्तविक समूहों की गतिविधियां चलती रहेंगी और बड़े जमा पर सरकार निगरानी रखेगी। इस सीमा से उनके काम पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और साथ ही ये भी ध्यान रखा जाएगा कि, इनका गलत इस्तेमाल न हो।''

इन नियमों के साथ, अब सरकार को धोखाधड़ी के मामलों में जांच और संपत्तियों की जब्ती के लिए विशेष एजेंसियों को नियुक्त करने का अधिकार भी मिलेगा। इससे सरकार धोखाधड़ी का जल्दी पता लगा सकेगी और पीड़ितों के पैसे वापस दिला सकेगी। पहले सरकार के पास ऐसे मामलों में संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार नहीं था, जिससे कार्रवाई करना मुश्किल होता था। इससे पीड़ितों को न्याय मिलेगा और धोखाधड़ी का जड़ से सफाया होगा।

सीएम आतिशी ने कहा कि, अब एजेंसियां सरकार के साथ मिलकर धोखाधड़ी करने वालो को पहचानने, जांच और सजा दिलाने में मदद करेंगी।

दिल्ली सरकार का ये कदम वित्तीय लेनदेन को साफ-सुथरा रखने और नागरिकों के विश्वास को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए नियम धोखाधड़ी वाली योजनाओं को खत्म करने और सुरक्षित वित्तीय माहौल बनाने में मदद करेंगे, खासकर उन छोटे समूहों के लिए जो ईमानदारी से काम कर रहे हैं।

24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होगी आईपीएल नीलामी : बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए खिलाड़ियों की मेगा नीलामी 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा शह में होगी। यह लगातार दूसरा साल है जब आईपीएल नीलामी विदेश में हो रही है। इससे पहले आईपीएल 2024 सत्र के लिए दुबई में नीलामी हुई थी। नीलामी के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण आधिकारिक तौर पर सोमवार को बंद हो गया और कुल 1,574 क्रिकेटरों (1,165 भारतीय और 409 विदेशी) ने नीलामी के लिए अपना पंजीकरण किया है।

प्रत्येक फ्रेंचाइजी अधिकतम 25 खिलाड़ियों (संबंधित रिटेन खिलाड़ियों सहित) की टीम बना सकेगी और नीलामी से कुल 204 खिलाड़ी खरीदे जा सकेंगे। इस सूचीमें 320 कैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच खेला हो) खिलाड़ी जबकि 1,224 अनकैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी और एसोसिएट देशों के 30 खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों में 48 भारत के हैं। इसके अलावा देश के 965 अनकैप्ड खिलाड़ी भी नीलामी में शामिल रहेंगे। इस साल की नीलामी में ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर और अर्शदीप सिंह जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें होंगी।

नीलामी के दौरान 10 फ्रेंचाइजी 204 खिलाड़ियों पर लगभग 641.5 करोड़ रुपए खर्च करेंगी। इन 204 स्थानों में से 70 विदेशी खिलाड़ियों के लिए निर्धारित हैं। अब तक 10 फ्रेंचाइजी ने 558.5 करोड़ रुपए के सामूहिक खर्चे के साथ 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अपनी टीम बनाने के लिए 120 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे पर 31 अक्टूबर को रिटेंशन (क्रिया खत्म होने के बाद पंजाब किंग्स के पास सबसे अधिक 110.5 करोड़ रुपए हैं।

सऊदी अरब में बर्फबारी, रेगिस्तान बन गया वंडरलैंड

रियाद,(ईएमएस)। सऊदी अरब के अल-जौफ क्षेत्र में हाल ही में हुई बर्फबारी ने रेगिस्तान को एक शीतकालीन वंडरलैंड के तौर पर बदल दिया है। इस क्षेत्र में पहली बार बर्फबारी का नजारा देखने को मिला है।

सऊदी मीडिया के मुताबिक, यह बर्फबारी इस क्षेत्र के इतिहास में पहली बार देखी गई है और इसे एक असामान्य मौसमीय घटना के रूप में देखा जा रहा है। बर्फबारी से पहले क्षेत्र में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे मौसम अचानक ठंडा हो गया और तापमान अप्रत्याशित तौर पर गिर गया। यहां बताते चलें कि पिछले हफ्ते से ही सऊदी अरब के मौसम में असामान्य बदलाव देखे जा रहे हैं। अल-जौफ में बुधवार को भारी बारिश और ओले गिरे, जिसके बाद उत्तरी सीमा, रियाद और मक्का क्षेत्र सहित तबुक और अल बहाह क्षेत्रों में भी बदलते मौसम का प्रभाव नजर आया। सोमवार को अल-जौफ के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी हुई, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई हैं। यूएई के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) ने इस असामान्य मौसम का कारण एक निम्न दबाव प्रणाली को बताया है, जो अरब सागर से ओमान तक फैली हुई है। इस प्रणाली से आई नमी भरी हवाओं ने पूरे क्षेत्र में गरज, ओले और बारिश की स्थिति पैदा की, जो अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है।

सऊदी अरब में बर्फबारी बेहद दुर्लभ मानी जाती है, हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में जलवायु में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। कुछ साल पहले, सहारा के रेगिस्तान में तापमान -2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की घटना भी चर्चा में रही। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों का संकेत है, जिससे पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्र भी प्रभावित हो रहे हैं।

बदलते वायुमंडलीय स्थितियों के कारण रेगिस्तानों में बर्फबारी जैसी असामान्य घटनाएं देखने को मिल रही हैं। इस साल की शुरुआत में, रियाद में भारी बारिश के कारण आई अभूतपूर्व बाढ़ और दुबई में बाढ़ ने भी क्षेत्र के बदलते मौसम को रेखांकित किया था। इस घटनाक्रम ने न केवल विशेषज्ञों को सोचने पर मजबूर किया है बल्कि आम लोगों का ध्यान भी जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों की ओर खींचा है। इतिहास में पहली बार इसे एक असामान्य मौसमीय घटना के रूप में देखा जा रहा है। बर्फबारी से पहले क्षेत्र में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे मौसम अचानक ठंडा हो गया और तापमान अप्रत्याशित तौर पर गिर गया।

मिथुन चक्रवर्ती पर मुकदमा दर्ज

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने भाजपा नेता और अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के खिलाफ भडक़ाऊ भाषण देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। 27 अक्तूबर को उतर 24 परगना जिले में हुए भाजपा के एक कार्यक्रम में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा था कि हमें ऐसा कार्यकर्ता चाहिए जो कहे, मार, तेरे पास कितनी गोलियां हैं। हम 2026 में पश्चिम बंगाल का मसनद (सिंहासन) लेकर रहेंगे। मामले में शिकायत के बाद बिधाननगर दक्षिण थाने में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक 27 अक्तूबर को सॉल्ट लेक क्षेत्र के ईजेसीसी में मिथुन चक्रवर्ती ने विवादित बयान दिया था। इस मामले में पुलिस से शिकायत की गई। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कार्यक्रम में गृह

कोर्ट में अपना समय बर्बाद न करें, वोटरों को लुभाएं-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के पहले नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के चुनाव चिह्न घड़ी के विवाद पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार और अजित पवार की पार्टी को नसीहत भी दी। अदालत ने कहा कि वे कोर्ट में अपना समय बर्बाद न करें, बल्कि चुनाव में जाकर वोटरों को लुभाएं। अदालत ने अजित पवार गुट से कहा कि अखबारों में 36 घंटे के भीतर डिस्क्लेमर छपवाएं कि घड़ी चुनाव चिह्न का मामला कोर्ट में है।

दरअसल, राकांपा के घड़ी इलेक्शन सिंबल को लेकर शरद पवार गुट ने याचिका दायर की है। इसमें कहा गया कि अजित पवार गुट अदालत का आदेश नहीं मान रहा। इसलिए उसे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में घड़ी चिह्न के इस्तेमाल से रोका जाए। शरद पवार गुट ने इसके साथ ही अजित पवार गुट को नए चिह्न के लिए अप्लाई करने का निर्देश देने की गुजारिश भी की।

सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में बीते 24 अक्टूबर को भी सुनवाई हुई थी, जिसमें कोर्ट ने अजित पवार गुट को राहत दी थी। अदालत ने कहा था कि राकांपा (अजित गुट) आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में घड़ी चिह्न का इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन उसे चुनावी बैनर और पोस्टर्स में यह लिखना होगा कि यह विवाद का विषय है और कोर्ट में विचाराधीन है।

सीबीएसई ने दिल्ली-राजस्थान के 21 स्कूलों की संबद्धता रद्द की

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दिल्ली और राजस्थान में फर्जी रूप से संचालित 21 स्कूलों की संबद्धता रद्द कर दी है, जबकि छह सीनियर सेकेंडरी से सेकेंडरी लेवल पर डाउनग्रेड कर दिया है। सीबीएसई के अधिकारियों ने कहा कि यह कदम सितंबर में राजस्थान और दिल्ली के स्कूलों में किए गए औचक निरीक्षण के बाद उठाया गया है, जिसमें कई खामियां पाई गई थीं। सीबीएसई सचिव हिमांशु गुप्ता ने कहा, डमी या गैर-उपस्थित प्रवेशों की प्रथा स्कूली शिक्षा के मूल उद्देश्य के खिलाफ है, जिससे छात्रों के बुनियादी विकास से समझौता होता है। इस मामले में हम डमी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। साथ ही सभी संबद्ध संस्थानों को डमी या जरूरत से ज्यादा एडमिशन करने के लालच का विरोध करने के लिए एक संदेश भेज रहे हैं। हिमांशु गुप्ता ने कहा कि निरीक्षण के दौरान पाई गई गड़बड़ियों को लेकर औचक निरीक्षण समितियों की रिपोर्ट को संबंधित स्कूलों को एक रिपोर्ट के रूप में लिस्ट किया गया था। उन्होंने कहा, स्कूलों द्वारा प्रस्तुत जवाबों की बोर्ड द्वारा विस्तार से जांच की गई। निरीक्षण के बाद और वीडियोग्राफिक सबूतों के आधार पर 21 स्कूलों की संबद्धता वापस ले ली गई और छह स्कूलों को वरिष्ठ माध्यमिक से माध्यमिक स्तर पर डाउनग्रेड कर दिया गया। जिन 21 स्कूलों की संबद्धता वापस ली गई है, उनमें से 16 दिल्ली में हैं जबकि पांच राजस्थान के कोचिंग हब कोटा और सीकर में हैं।

27 स्कूलों को गड़बड़ियों पर भेजा था नोटिस

बता दें कि सिंतबर में सीबीएसई ने दिल्ली और राजस्थान के 27 स्कूलों को छात्रों के एडमिशन और अटेंडेंस की गड़बड़ियों को लेकर नोटिस भेजा था। सीबीएसई के सचिव हिमांशु गुप्ता ने इन स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। सीबीएसई का कहना था कि वह शिक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और अपने सभी संस्थानों में अनुपालन की निरंतर निगरानी जारी रखेगा।

राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही भारत आएंगे डोनाल्ड ट्रंप!

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति का पद दोबारा संभालने वाले रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप को इस बार भारत आने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। क्वाड देशों (अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान व भारत का संगठन) के शीर्ष नेताओं की आगामी बैठक भारत में ही होनी है।

भारत ने इस सम्मेलन की तिथि तय नहीं की है लेकिन पहले बताया गया है कि संभवतः जुलाई-अगस्त, 2025 में शिखर सम्मेलन की तारीख तय की जा सकती है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो यह पहला मौका होगा कि राष्ट्रपति पद संभालने के पहले वर्ष के भीतर ही किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की यात्रा की हो। यदि ट्रंप सत्ता संभालने के पहले वर्ष ही भारत आते हैं तो वह ऐसा करने वाले प्रथम राष्ट्रपति बन सकते हैं। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के अंतिम वर्ष 2020 में भारत की यात्रा की थी।

अनियंत्रित होकर तेज रफ्तार ऑटो मिनी ट्रक से टकराई,10 की मौत, 5 की हालत नाजुक

हरदोई (ईएमएस)। यूपी के हरदोई जिले के बिलग्राम कस्बे में कटरा-बिल्हौर हाईवे पर क्षमता से अधिक 15 सवारियां भरकर जा रही ऑटो बुधवार को अनियंत्रित होकर तेज रफ्तार मिनी ट्रक से टकरा गई। टक्कर लगते ही ऑटो सड़क पर पलट गई। सवारियां उछलकर करीब 15-20 फुट दूर जा गिरी और ट्रक में फंसकर ऑटो की पूरी छत उड़ गई। हादसा इतना भयानक था कि 10 लोगों की तत्काल मौत हो गई, जिसमें छह महिलाएं, दो मासूम बच्चे, एक पुरुष और एक किशोरी है। जिंदा बचे पांच लोगों को किसी तरह अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी हालत बेहद नाजुक है। बताया जा रहा है कि ओवरलोडिंग के बावजूद ऑटो विपरीत दिशा में चल रही थी। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस और प्रशासन की टीम मृतकों की पहचान करवाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस के मुताबिक दोपहर करीब 12:30 बजे एक ऑटो माधवगंज से सवारियां भरकर बिलग्राम की तरफ आ रहा था। रास्ते में रोशनपुर गांव के पास एक बाइक सवार अचानक ऑटो के सामने आ गया। उसे बचाने के चक्कर में चालक ने कट लिया तो ऑटो सामने से तेज रफ्तार में आ रहे डीसीएम ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही ऑटो मेन रोड पर ट्रक के सामने ही पलट गया। सवारियां उछलकर दूर जा गिरीं और ऑटो का ऊपरी हिस्सा ट्रक में फंसकर उखड़ गया। हादसा होते ही रोशनपुर गांव के लोग दौड़े। किसी ने एंबुलेंस तो किसी ने पुलिस को फोन लगाया। कुछ लोग अपने साधन से घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुट गए। थोड़ी देर में एंबुलेंस के साथ पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आनन-फानन में घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने 10 लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक मृतकों में माधुरी और सुनीता नाम की दो महिलाओं की पहचान हो सकी है। रमेश, संजय, विमलेश आनंद और किशोर घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक और खलासी मौके से फरार हो गए हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट का बंगाल सरकार को निर्देश, शांति बनाए रखने के लिए उठाए कड़े कदम

कोलकाता : भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने याचिका दायर की थी कि काली पूजा के एक दिन बाद राजाबाजार इलाके में एक विशेष समुदाय की भीड़ ने प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर हमला किया, जिससे इलाके में तनाव फैला।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को बंगाल सरकार को सख्त निर्देश दिए। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि लोग बिना किसी व्यवधान के हर्षोल्लास के साथ त्योहारों का जश्न मनाएं। कोर्ट ने बंगाल सरकार को सभी कड़े कदम उठाने के लिए कहा। ताकि त्योहारी सीजन के दौरान शांति बनी रहे।

मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और न्यायाधीश हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को निर्देश दिए। पीठ ने राज्य सरकार को 18 नवंबर तक हलफनामे के रूप में एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही याचिकाकर्ता से भी 21 नवंबर तक अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

याचिका में आरोप लगाया गया था कि काली पूजा के एक दिन बाद कोलकाता के नारकेलडांगा थाना अंतर्गत राजाबाजार इलाके में एक विशेष समुदाय की भीड़ ने प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर हमला किया, जिससे इलाके में तनाव फैला।

इस पर राज्य सरकार की तरफ से महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने दावा किया कि अलग-अलग समुदाय के लोगों के आपस में टकराव संबंधी आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। दो लोगों के बीच झड़प के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई और उसके फलस्वरूप हुई हिंसा में कुछ पुलिस अधिकारी भी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घटना के सिलसिले में कम से कम छह प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं और 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि कोलकाता के राजा बाजार इलाके में काली पूजा मूर्ति विसर्जन के दौरान पथराव की घटना हुई थी।

7.5 लाख रु की ऋण राशि पर सरकार द्वारा 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी दी जाएगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने केन्द्रीय क्षेत्र की एक नई योजना पीएम विद्यालक्ष्मी को मंजूरी दे दी है। इस नई योजना का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि वित्तीय बाधाएं किसी को भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोकें। पीएम विद्यालक्ष्मी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 से निकली एक और महत्वपूर्ण पहल है, जिसने यह सिफारिश की थी कि सार्वजनिक और निजी, दोनों प्रकार के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में विभिन्न उपायों के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थान (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेने वाला कोई भी विद्यार्थी ट्यूशन फीस की पूरी राशि और पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य खर्चों को कवर करने हेतु बैंकों और वित्तीय संस्थानों से गिरवी मुक्त एवं गारंटर मुक्त ऋण प्राप्त करने का पात्र होगा। यह योजना एक सरल, पारदर्शी एवं विद्यार्थियों के अनुकूल प्रणाली के माध्यम से संचालित की जाएगी, जो अंतर- संचालनीय और पूरी तरह से डिजिटल होगी। यह योजना एनआईआरएफ रैंकिंग द्वारा निर्धारित देश के शीर्ष गुणवत्ता वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू होगी। इस योजना में एनआईआरएफ के समग्र, श्रेणी-विशिष्ट और डोमेन -विशिष्ट रैंकिंग में शीर्ष 100 में स्थान रखने वाले सभी एचईआई, सरकारी एवं निजी, शामिल हैं। एनआईआरएफ रैंकिंग में 101-200 में स्थान रखने वाले राज्य सरकार के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) और केन्द्र सरकार द्वारा प्रशासित सभी संस्थानों को इसमें शामिल किया है।

इस सूची को एनआईआरएफ के नवीनतम रैंकिंग का उपयोग करके हर वर्ष अद्यतन किया जाएगा और शुरुआत 860 योग्य क्यूएचईआई से होगी, जिसमें 22 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे जो अपनी इच्छानुसार संभावित रूप से पीएम-विद्यालक्ष्मी का लाभ उठा सकेंगे। कुल 7.5 लाख रुपये तक की ऋण राशि के लिए, विद्यार्थी बकाया डिफॉल्ट के 75 प्रतिशत की क्रेडिट गारंटी के भी पात्र होंगे। इससे बैंकों को इस योजना के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

आरबीआई गवर्नर बोले-सरकारी सब्सिडी चिंता का विषय

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को विभिन्न योजनाओं के तहत सरकार की ओर से दी जा रही सब्सिडी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों का पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है, लेकिन उच्च सब्सिडी व्यय चिंता का विषय है।

दास मुंबई में आयोजित बीएफएसआई शिखर सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सब्सिडी व्यय बहुत अधिक है और पहली तिमाही में सरकारी व्यय जीडीपी को नीचे खींच रहा है। गवर्नर ने कहा कि सरकारी व्यय में वृद्धि शुरू हो गई है। केंद्र और राज्यों के राजस्व और पूंजीगत व्यय दोनों में वृद्धि शुरू हो गई है। सब्सिडी व्यय एक मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में सरकार की सब्सिडी के लिए भुगतान बढ़ा है। सरकार ने वित्त वर्ष 25 में खाद्य सब्सिडी के लिए 2,05,250 करोड़ रुपये का बजट रखा है। यह 2023-24 के लिए 2,12,332 करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से 3त्न कम है। सरकार ने रबी सीजन के लिए पोषक तत्व आधारित उर्वरक सब्सिडी के लिए 24,475.53 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है। आरबीआई ने भारत की 2024-25 की जीडीपी वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत आंकी है। आईएमएफ और विश्व बैंक के अनुसार यह 7.0 प्रतिशत रह सकती है। कई वैश्विक रेटिंग एजेंसियों और बहुपक्षीय संगठनों ने भी भारत के लिए अपने विकास पूर्वानुमानों को संशोधित किया है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में 370 बहाली का प्रस्ताव पास

-भाजपा विधायकों का वेल में हंगामा, दस्तावेज की कॉपी फाड़ीं

श्रीनगर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने राज्य के स्पेशल स्टेटस (अनुच्छेद 370) को फिर से बहाल करने का प्रस्ताव पास कर दिया है। हालांकि, भाजपा विधायकों ने इसका विरोध किया और प्रस्ताव की कॉपियां फाड़ दीं। विधायक वेल में जाकर नारेबाजी करते रहे। भाजपा का आरोप था कि स्पीकर ने मंत्रियों की बैठक बुलाई और खुद ही प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया। इसके बाद विधायकों ने बेंच पर चढक़र हंगामा किया।

इस दौरान अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने भाजपा विधायकों से कहा कि अगर आपको मुझ पर भरोसा नहीं है, तो अविश्वास प्रस्ताव लेकर आएं। हंगामा के चलते सदन की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले सदन की कार्रवाई शुरू होते ही जम्मू-कश्मीर के डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी ने विशेष दर्जे को बहाल करने के लिए प्रस्ताव पेश किया, जिसे केंद्र ने 5 अगस्त, 2019 को रद्द कर दिया था। प्रस्ताव में चौधरी ने केंद्र से जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने के लिए विधायकों से बातचीत करने को कहा है।

सरकार जम्मू-कश्मीर के स्पेशल स्टेटस पर बात करे

विधानसभा का सत्र शुरू होते ही डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी ने यह प्रस्ताव रखा। इसमें कहा गया कि राज्य के स्पेशल स्टेटस और संवैधानिक गारंटियां महत्वपूर्ण हैं। यह जम्मू-कश्मीर की पहचान, कल्चर और लोगों के अधिकारों की सुरक्षा करता है। विधानसभा इसे एक तरफा हटाने पर चिंता व्यक्त करती है। भारत सरकार राज्य के स्पेशल स्टेटस को लेकर यहां के प्रतिनिधियों से बात करे। इसकी संवैधानिक बहाली पर काम किया जाए। विधानसभा इस बात पर जोर देती है कि यह बहाली नेशनल यूनिटी और जम्मू-कश्मीर के लोगों की इच्छाओं, दोनों को ध्यान में रख कर की जाए। निर्दलीय विधायक शेख खुर्शीद और शब्बीर कुल्ले, पीसी प्रमुख सज्जाद लोन और पीडीपी विधायकों ने इसका समर्थन किया।

स्पीकर ने खुद ही ड्राफ्ट बनायाः भाजपा

जम्मू विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा समेत भाजपा के सभी विधायकों ने प्रस्ताव का विरोध किया। शर्मा ने कहा कि उनके पास जानकारी है कि स्पीकर ने मंगलवार्‌को मंत्रियों की बैठक बुलाई थी और खुद ही प्रस्ताव तैयार किया।

वे इस दौरान स्पीकर हाय-हाय और पाकिस्तानी एजेंडा नहीं चलेगा जैसे नारे लगाते रहे। शर्मा ने यह भी पूछा कि जब एलजी के अभिभाषण पर चर्चा होनी थी तो प्रस्ताव कैसे लाया गया? उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव उन्हें मंजूर नहीं है। इसके बाद उन्होंने इसकी कॉपी फाडक़र वेल में फेंक दी। हंगामे के बीच विधानसभा स्पीकर अब्दुर रहीम राथर ने प्रस्ताव पर वोटिंग कराई। जिसके बाद प्रस्ताव बहुमत से पास कर दिया गया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने मेनिफेस्टो में किया था वादा

केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर के स्पेशल स्टेटस को खत्म कर दिया था। इस दौरान इसे दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने मेनिफेस्टो में इसकी बहाली के प्रयास करने का वादा किया था। प्रस्ताव पास होने के बाद सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि विधानसभा ने अपना काम कर दिया है।

जन हितैषी

कनाडा में सिखों और हिंदुओं के बीच में बटोगे तो कटोगे का नारा

कनाडा में खालिस्तान समर्थक और हिंदुओं के बीच जो विवाद है वह विवाद अब हिंदू और सिखों के बीच का विवाद बन गया है। खालिस्तानी समर्थकों ने हिंदू मंदिर को अपना निशाना बनाया। कनाडा में रविवार को टोरंटो के हिंदू सभा के मंदिर में हमला किया गया। मंदिर परिसर में दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। लाठी-डंडे चले। ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सर्रे में लक्ष्मी नारायण के मंदिर में महिलाओं और बच्चों के साथ मारपीट की गई। यह घटना कनाडा और भारत के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में चर्चा का विषय बन गई है। भारतीय उच्च आयोग ने मंदिर में कैंप तैयार किया था, खालिस्तान समर्थक इसका इसका विरोध कर रहे थे। विरोध स्वरूप यह प्रदर्शन किया गया था, जो बाद में झगड़े में तब्दील हो गया। कनाडा का हिंदू समुदाय गुस्से में है। भारत सरकार ने भी कड़ी आपत्ति जताई है। कनाडा के प्रधानमंत्री ने भी इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने की प्रतिबद्धता जताई है। कनाडा की पुलिस ने तीन लोगों को घटनास्थल से गिरफ्तार किया है। कनाडा की सरकार ने अपने एक पुलिसकर्मी सार्जेंट को निलंबित भी कर दिया है। कनाडा के प्रधानमंत्री सहित अन्य राजनेताओं ने इस घटना की निंदा की है। कनाडा के प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि कनाडा के हर नागरिक को स्वतंत्र रूप से अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। इस घटना के बाद भारत सरकार और कनाडा के हिंदू संगठनों विशेष रूप से विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों ने जिस तरह की प्रतिक्रिया दी है उसको देखते हुए यही कहा जा सकता है कि कनाडा में भारतीय हिंदू और सिख समुदाय में बंट गए हैं। खालिस्तान समर्थक सिख्ख हों या अन्य सिख जो खालिस्तान का समर्थन भी नहीं करते हैं, कनाडा में उन दोनों को एक ही नजर से देखा जा रहा है। जिस तरह के आरोप हिंदू संगठनों द्वारा लगाए जा रहे हैं, उसके बाद वहां तनाव और भी बढ़ रहा है। भारतीय दूतावास जिस तरह से हिंदुओं के पक्ष में काम कर रहा है, उसके कारण भी कनाडा में हिंदू और सिखों के बीच में अलगाव और तनाव देखने को मिल रहा है। कनाडा में अभी तक सिख और हिंदू भारतीय बनकर रह रहे थे, लेकिन निज्जर की हत्या के बाद जो दूरियां दोनों समुदाय के बीच में बन रही हैं उसमें भारत की छवि सारी दुनिया में कड़वाहटी के रूप में बनने लगी है। अभी तक सारी दुनिया के देशों में भारतीयों को शांतिप्रिय और कानून का पालन करने वाला समझा जाता था। भारतीय जिन-जिन देशों में गए हैं वहां पर वह दूध में पानी की तरह मिलाकर अपना अलग स्थान बनाने के लिए जाने जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा में हिंदू समुदाय के लोग जिस तरीके से शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं, उसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों में भारतीयों की एक अलग छवि बनने लगी है। अमेरिका में भी नस्लवादी संगठन भारतीयों पर बड़े पैमाने पर हमले करने लगे हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के भारतीय मूल का होने के कारण उन पर भारतीयों के साथ पक्षपात करने के आरोप लगे। उन्हें समय से पहले ही चुनाव कराना पड़े और ब्रिटेन में भारतीय मूल के ऋषि सुनक की पार्टी की करारी पराजय हुई। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों ने बड़ी तेजी के साथ राजनीति में अपनी जगह बनाना शुरू की थी। भारतीयों के बारे में यह धारणा बनी हुई थी कि यह शांतिप्रिय और सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास करते हैं। जिसके कारण अमेरिका में कई प्रांतों में महापौर, सीनेट और उपराष्ट्रपति जैसे पदों पर बड़ी तेजी के साथ भारतीय आगे बढ़े हैं। न्यायपालिका में भी भारतीय मूल के लोगों की संख्या बढ़ी है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में भी भारतीय मूल के लोगों को लेकर एक अलग तरह का तनाव देखने को मिला है। भारत सरकार भी इस मामले में जिस तरह से संबंधों को लेकर कूटनीति के साथ-साथ इन मामलों को हैंडल किया जाना चाहिए था उसकी जगह दादागिरी के माध्यम से जिस तरह की राजनीति की जा रही है आगे चलकर वह भारत के लिए बड़ी मुसीबत का कारण बन सकती है। निज्जर हत्याकांड के बाद भारत सरकार को कूटनीति के तरीके से जिस मामले को निपटाना चाहिए था, उसके स्थान पर भारत सरकार ने सार्वजनिक रूप से जिस तरह से कनाडा के प्रधानमंत्री के ऊपर एक के बाद एक कई बार किए गए उसके कारण यह तनाव इतना बढ़ गया है कि कनाडा में ही अब दो समूह बन गए हैं। एक समूह सिखों के रूप में पहचाना जा रहा है तो दूसरा समूह हिंदू के रूप में पहचाना जा रहा है। कनाडा में हिंदू और सिख दोनों अलग-अलग समुदाय के रूप में देखे जा रहे हैं। हिंदुओं के मंदिर हैं वहीं सिखों के गुरुद्वारा हैं। कनाडा में भी अब धार्मिक आधार पर हिंदू और सिख बटते हुए नजर आ रहे हैं। भारत में जब किसान आंदोलन चल रहा था, उसी समय पंजाब के किसानों को खालिस्तानी समर्थक बताकर भारत सरकार ने एक बड़ी गलती की थी। भारत में भी पंजाब के किसानों के ऊपर जिस तरह के आरोप लगे थे, उस कारण भारत में भी सिखों के बीच में नाराजी देखने को मिल रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह से नए-नए राजनीतिक औद्योगिक व्यापारिक एवं सैन्य समीकरणों को लेकर रूस चीन उत्तर कोरिया ब्राज़ील एवं खाड़ी देशों के बीच नए समीकरण बन रहे हैं। उसमें भारत को निशाने पर रखा जा रहा है। इसी तरह अमेरिका, नाटो देश, इजराइल, यूक्रेन इत्यादि का एक नया समीकरण बना हुआ है, जिस तरह से यूक्रेन और रूस के बीच में पिछले कई माह से युद्ध चल रहा है। इजराइल का हमास, ईरान, हिज्बुल्लाह और अन्य खाड़ी देशों के साथ तनाव बना हुआ है। इसे देखते हुए अमेरिका भी भारत को अपने दबाव में रखना चाहता है। इसके चलते हाल ही में अमेरिका ने भारत की 19 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका कनाडा के साथ खड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने जिस तरह से रूस, चीन और अमेरिका के साथ अपने संबंध बनाए हैं उसके कारण दोनों ही महाशक्तियों के बीच में भारत की विश्वसनीयता घटी है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को बहुत सावधानी के साथ अपनी विदेश नीति को दीर्घकालीन संबंधों को ध्यान में रखते हुए बनानी होगी। यदि तीसरा विश्व युद्ध हुआ तो दोनों ही पक्ष भारत को अपने निशाने पर लेना चाहते हैं। भारत तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। ऐसी स्थिति में चीन और अमेरिका की नजरों में भारत खटक रहा है। रूस भी कभी नहीं चाहेगा कि भारत आर्थिक और सामरिक दृष्टि से इतना मजबूत हो जाए कि कल उसे भी चुनौती मिलना शुरू हो जाए। इसको ध्यान में रखते हुए भारत सरकार को सभी देशों के साथ अपने संबंध यदि गुटनिरपेक्ष देश के रूप में बनाए रखने में सफलता मिलेगी तभी यह जाकर संभव होगा। भारत सरकार को वर्तमान स्थिति पर गंभीरता के साथ विचार करना होगा। सारी दुनिया के देशों में भारत की जो शांतिप्रिय छवि बनी हुई है उसको बनाए रखने के लिए कट्टर हिंदुवाद से बचने की जरूरत है। वर्तमान संदर्भ में यही कहा जा सकता है।

अब एक और नयी दिल्ली बसने का समय

ये दिल्ली किसकी दिल्ली है ? ये मुगलों की दिल्ली है ? ये अंग्रेजों की दिल्ली है ? ये आजाद भारत की राजधानी दिल्ली है ? पता नहीं ये किसकी दिल्ली है ? ये दिल्ली किसी की भी नहीं दिल्ली हो लेकिन आज की दिल्ली रहने लायक दिल्ली नहीं है । यहाँ सांस लेना मुहाल है। दिल्ली जिस यमुना के तीरे बसी है वो दिल्ली फसूकर डाल रही है।इस यमुना के तीरे कोई कदम्ब की डाल नहीं है जिसके ऊपर बैठकर दो पैसे की बंशी बजाकर कोई धीर-धीरे कन्हैया बन सके यानि अब हमें एक और नयी यमुना तथा एक और नई दिल्ली बनाना होगी। इस दिल्ली से, इस यमुना से देश की जनता काम नहीं चलने वाला।

हमारी सरकार ने पिछले दस साल में अंग्रेजों के जमाने का ,मुग़लों के जमाने का और तो और कांग्रेस के जमाने का बहुत कुछ बदला है। शहरों के ,स्टेशनों के,सड़कों के ,स्टेडियमों के नाम बदले हैं ,इसलिए हम चाहते हैं कि अब सरकार इस जानलेवा दिल्ली को भी बदल ही दे तो बेहतर । सरकार समर्थ सरकार है । सरकार ने नई संसद बना दी तो नई दिल्ली को कोई नया नाम देकर किसी दूसरी जगह बसाया जाना चाहिए । आज की दिल्ली ,कल की दिल्ली से ज्यादा भयावह है । ये बहादुरशाह की दिल्ली भी नहीं है और पंडित जवाहर लाल नेहरू की भी दिल्ली नहीं है । आज की दिल्ली पंडित नरेंद्र दामोदर दास मोदी की दिल्ली है। बजबजाती दिल्ली,गंधाती दिल्ली।

बचपन में हमने सुना था कि दिल्ली की बात निराली होती है लेकिन आज देख रहे हैं कि दिल्ली की बात निराली नहीं काली है। दिल्ली वो अब दिल्ली नहीं बल्कि जलती हुई पराली है। इस दिल्ली में लोग जान हथेली पर रखकर जी रहे हैं क्योंकि दिल्ली को हवा सांस लेने लायक नही। दिल्ली का प्रदूषण सरकार नहीं ,बेहोश जनता बढ़ा रही है। जनता पर दोष इसलिए मढ़ रहा हूँ ,क्योंकि जनता बेचारी होती है । सरकार पर दिल्ली की बदहाली का दोष मढ़ने का साहस मुझमें नहीं है। ये दिल्ली अरविंद केजरीवाल और अमित शाह के बीच बंटी हुई दिल्ली है। ये दोनों ही इस दिल्ली के भाग्यविधाता हैं। बाकी तो केवल बातें हैं और बातों का क्या ?

हम दिल्ली को बेकार बताएंगे तो सरकार हमें भी दूसरों की तरह अर्बन नक्सली कहने में देर नहीं लगाएगी,इसलिए हम खामोश हैं लेकिन सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के वायु प्रदूषण विशेषज्ञ विवेक चट्टोपाध्याय बताते हैं कि 2006 के बाद से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है. जबकि इस साल अक्टूबर से लेकर इस महीने का सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का एयर क्वालिटी इंडेक्स देखें तो दिल्ली-एनसीआर की हवा लगातार बहुत खराब या खराब स्थिति में बनी हुई है। अब सरकार विवेक जी को अर्बन नक्सली कहने लगे तो हमारी बला से।

हम जानते हैं,आप जानते हैं, सरकार जानती है ,सब जानते हैं कि दिल्ली में कुल आबादी का 55 प्रतिशत हिस्सा सड़क के 300 से 400 मीटर के दायरे में रहता है. ऐसे में वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण के सीधे प्रभाव में वही आते है। जिसका प्रभाव यह होता है कि वे इस प्रदूषण को सीधे सांस के माध्यम से खींचते हैं। इस वजह से सांस से जुडी समस्याएं सबसे ज्यादा सामने आती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन मानता है कि भारत में 100 फीसदी आबादी जिन इलाकों में रहती है वहां पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइंस को पूरा नहीं करता। .यहां प्रदूषण स्तर इतना ज्यादा होता है कि महज कुछ दिनों में ही गंभीर बीमारियां पैदा हो सकती।

दिल्ली दरअसल अब कबूतर -खाना है। यहां सम्पन्न इलाकों को छोड़ दिया जाये तो ज्यादातर मकान कबूतर के दड़बों जैसे ही है। वे झुग्गियां हों या करोड़ ,दस करोड़ के फ़्लैट और बंगले ,सबकी हवा प्रदूषित है । दुनिया की तमाम मशीने , दिल्ली की हवा को स्वच्छ नहीं कर पा रहीं। हवा को शुद्ध ,हवा ही करती है। पेड़-पौधे करते है। फैक्ट्रियों से उठता धुंआ नहीं। सरकारों के बूते की ये बात है भी और नहीं भी। सरकार न यमुना को मरने से बचा पा रही है और न दिल्ली को। दिल्ली की सीमा से लगे हरियाणा,उत्तरप्रदेश और राजस्थान में डबल इंजिन की सरकारें हैं लेकिन वे न दिल्ली की सुनती हैं और न दिल्ली उनके कान उमेठ पाती है।

हमारी पीढ़ी उस दिल्ली को मरता हुआ देख रही है जो पहले इतनी जानलेवा नहीं थी । इस दिल्ली में इंसान ही नहीं बल्कि बेजान इमारतें ,स्मारक,समाधियां ,मंदिर, मस्जिद सबके सब प्रदूषण के शिकार हैं। दिल्ली की दोनों सरकारें या तो कानों में कपास के फाहे लगाए बैठीं हैं या उन्होंने आज के जमाने के ईयर वड लगा रखे है। किसीको कुछ सुनाई नहीं देता,कुछ दिखाई नहीं देता। दिल्ली धृतराष्ट्र और गांधारी की दिल्ली बनकर रह गयी है।

आज से पचास साल पहले जब मै दिल्ली जाता था तब की दिल्ली आज की दिल्ली से भिन्न थी । एक जमाने में मैंने पचकुइया मसान के बाहर भी ताजा हवा का अहसास किया था,लेकिन आज वहां भी ताजा हवा नहीं है। दिल्ली में कहीं भी ताजा हवा नहीं है । दिल्ली की हवा खराब है,बहुत ज्यादा खराब। इसे नामुमकिन को मुमकिन करने वाले हमरे देश के प्रधानमंत्री भी दुरुस्त नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली कोई ईवीएम भी तो नहीं है जो सरकार का कहना माने त। दिल्ली तो दिल्ली है । दिल्ली वालों ने आधी कमान आम आदमी पार्टी को सौंप रखी है और आधी मोदी जी को। मुझे लगता है कि दिल्ली को शायद इसी वजह से ज्यादा भुगतना पड़ रहा है।

दिल्ली ही क्या पूरा देश प्रदूषण की गिरफ्त में है । दिल्ली की तरह हमारी सियासत प्रदूषित है । हमारे मजहब प्रदूषित हो रहे हैं या जानबूझकर किये जा रहे हैं। सबको अपनी-अपनी फ़िक्र है । देश और दिल्ली की नहीं। दिल्ली में सरकार को अब रेलों में टंगी उन तख्तियों की तरह एहतियातन ऐसे होर्डिंग लगवा देना चाहिए कि -दिल्ली वाले अपनी जान-ममाल की रक्षा खुद करें क्योंकि ये जान ,ये माल दिल्ली वालों का है। दिल्ली को अब शायद भगवान भी नहीं बचा सकता ,हालाँकि दिल्ली के लोग भगवान भरोसे ही अब तक ज़िंदा हैं।

वर्षों पहले मैंने पड़ौस में चीन की राजधानी बीजिंग और चीन के मुंबई कहे जाने वाले शंघाई में प्रदूषण की दुर्दशा को देखा था और मन ही मन भगवान का शुक्रिया अदा किया था कि कम से कम हमारी दिल्ली तो बीजिंग जैसी प्रदूषित नहीं है। बीजिंग में प्रदूषण की चादर को सूर्य भगवान भी नहीं भेद पाते । वहां दिन में इतनी धूप नहीं खिल पाती कि आप अपने घर की छत या बालकनी में मसाले या अपने चड्ढी-बनियान सुखा लें। अब दिल्ली ने बीजिंग को भी पीछे छोड़ दिया है।

अब हमारे पास दो ही विकल्प हैं। पहला ये कि हम 1 करोड़ 70 लाख से ज्यादा आबादी वाली दिल्ली को ऐसे मास्क उपलब्ध कराएं जो उनके फेफड़ों में जाने वाली हवा में घुला प्रदूषण सोख ले और दूसरा ये कि हम दिल्ली को खाली करा लें और कहीं दूर नयी जगह ,देश की नई राजधानी बनाएं। दिल्ली को खाली करना कठिन टास्क है । दिल्ली की जनता को हैलमेट की तरह मास्क लगाना अनिवार्य किया जा सकता है। हमें उम्मीद है कि यदि भाजपा अपनी कार्य योजना के तहत यदि अगले 35 साल तक देश की सत्ता सम्हालती है तो या तो वो नए संसद भवन की तरह कहीं कोई नयी दिल्ली बना लेगी या फिर मौजूदा दिल्ली को बचने के लिए कोई मिस्डकॉल आंदोलन शुरू करेगी । फ़िलहाल तो हमारी बड़ी सरकार अपनी पार्टी कि नए भवन बनाने में मशगूल है दिल्ली की हांफती,खांसती, जनता और फसूकर डालती यमुना के प्रति मेरी कोटि-कोटि संवेदनाएं हैं, सहानुभूति है ,क्योंकि इस प्र्दशन कि खिलाफ हमारे देश की सबसे बड़ी अदालत भी हथियार डाल चुकी है । भगवान दिल्ली की और दिल्ली वालों की रक्षा करे। वैसे भी पूरा देश दिल्ली की तरह बीमार होता जा रहा है। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

विश्व में 11 शास्त्रीय भाषाओं वाला भारत इकलौता देश बना

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के देशों को सर्वविदित है कि भारत अनेक जातियों भाषाओं धर्मों का एक गढ़ है जहां हर समूह अपनी भाषाओं की मिठास और समृद्धि को महकाते हुए अपनी मातृभाषा की धरोहर संजोए हुई है।भारत बहुत भारी तादाद में हर समाज भाषाओं उपभाषाओं,बोलियां में अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करता है।यह भाषाएं वह बोलियां इतनी मीठी होती है कि हर भाषा को बोलने के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हो जाती है कि काश मैं यह भाषा बोल पाता। तमिल तेलुगू सिंधी संस्कृति बंगाली मराठी असमिया मारवाड़ी पंजाबी गुजराती सहित पूरे भारत में हजारों लाखों म बोलियां है,जिनकी मिठास का अद्भुत आगाज़ होता है, परंतु हमारे संविधान निर्माता और बाद में संशोधन द्वारा भारत में संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को दर्ज किया गया है जिसमें केंद्र व राज्य सरकारें भी बहुत सहायता करते हैं विशेष रूप से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में तो मातृभाषाओं को बहुत अधिक महत्व दिया गया है फिर भी हिंदी एक ऐसी भाषा है जो अंतरराष्ट्रीय स्तरपर जानी वह समझी जाती है यह राजकीय भाषा है जिसे राष्ट्रीय भाषा बनाने के प्रयास दशकों से प्रयास शुरू है। इस विषय पर आज हम बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकिदिनांक 4 नवंबर 2024 को देर रात्रि केंद्रीय हिंदी समिति की 32वीं बैठक नई दिल्ली में समाप्त हुई जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृहमंत्री ने की जिसमें 9 केंद्रीय मंत्री 6 राज्यों के मुख्यमंत्री संसदीय राजभाषा समिति के अध्यक्ष एवं 3 संयोजकों सहित कुल 21 सदस्य हैं,सभी उपस्थित थे। बता दें विश्व में 11 शास्त्रीय भाषाओं वाला भारत एक इकलौता देश है, तथा भारत में इंजीनियरिंग मेडिकल प्राथमिक व सेकेंडरी शिक्षा भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होने से सभी भाषाओं के विकास को अनुकूल माहौल सराहनीय है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, केंद्रीय हिंदी समिति की 32 वीं बैठक का आगाज़,युवा पीढ़ी की 100 पेर्सेंट क्षमता का उपयोग करने के लिए अपनी मातृभाषा पढ़ना सोचना व विश्लेषण करना ज़रूरी है।

साथियों बात अगर हम 4 नवंबर 2024 को देर रात्रि समाप्त हुई 32वीं केंद्रीय हिंदी समिति की बैठक के आगाज़ की करें तो,दिल्ली में केंद्रीय हिंदी समिति की 32 वीं बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि भाषाओं के संरक्षण को लेकर मोदी सरकार के कार्यकाल में खूब काम किया गया।समय-समय पर इसके लिए प्रचार भी किए जाते रहे हैं।उन्होंने कहा कि पीएम के नेतृत्व वाली सरकार में कुछ समय पहले ही पांच और भारतीय भाषाओं को शास्त्रीय भाषा में शामिल किया गया,केंद्रीय गृह मंत्रीने कहा कि केंद्रीय हिंदी समिति इस उद्देश्य से काम करती है कि हिंदी साहित्य का संरक्षण किया जाना चाहिए, उन्होंन कहा कि हिंदी को इस्तेमाल करके देश की संपर्क भाषा के रूप में स्थापित की जाए। भाषा सशक्त बनाने के लिए सरकार ने पिछले 5 सालों में किए गए कामों को लेकर बताया कि हिंदी शब्दसिंधु शब्दकोष को तैयार किया गया,उन्होंने कहा कि आने वाले 5 सालों में इसे इतना ज्यादा इस्तेमाल किया जाएगा कि ये दुनियाँ में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला शब्दकोष बन जाएगा।उन्होंने हिंदी की शक्ति को बताते हुए कहा कि जब तक हम सभी भारतीय भाषाओं को मजबूत करने कि दिशा में काम रहे होते हैं तो इससे हम अपने विकास को मजबूत करते हैं,उन्होंने भारतीय भाषाओं को लेकर आंकड़ों के जरिए बताया कि 11 भाषाओं को शास्त्रीय भाषाओं में शामिल करने वाला अकेला एकमात्र देश है। पीएम ने सभी सार्वजनिक मंचों से हिंदी भाषा के इस्तेमाल और बोले जाने के लिए देशवासियों को प्रेरित किया है, पीएम ने हिंदी भाषा के व्यापक तौर पर प्रचार-प्रसार के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी इसके बारे में चर्चा की है,उन्होंने कहा कि सभी अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिंदी में अपनी बात को कहकरपीएम ने इसके प्रचार में बेजोड़ काम किया है, जब बच्चे अपने शुरुआती शिक्षा को ग्रहण की शुरुआत मातृभाषा में करते हैं तो वो अपनी क्षमताओं का पूरा विकास कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम दुनियाँ के इकलौते देश भारत में 11 शास्त्रीय भाषाओं की करें तो (1) तमिल-2004 (2) संस्कृत -2005(3)तेलुगु-2008(4)कन्नड़-2008(5)मलयालम-2013(6) उड़िया-2014(7)मराठी -2024 (8) पाली-2024 (9) प्राकृत-2024 (10) असमियाँ -2024 (11)बंगाली-2024 शास्त्रीय भाषा के मानदंडो के अनुसार,भाषा का 1500 से 2000 पुराना रिकॉर्ड होना चाहिए. साथ ही भाषा का प्राचीन साहित्य / ग्रंथो का संग्रह होना चाहिए।शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त होने के बाद प्राचीन साहित्यिक धरोहर जैसे ग्रंथों, कविताओं, नाटकों आदि का डिजिटलीकरण और संरक्षण किया जाता है।इससे आने वाली पीढ़ियाँ उस धरोहर को समझ और सराह सकती हैं।शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने से उस भाषा और उसकी सांस्कृतिक विरासत के प्रति समाज में जागरूकता और सम्मान दोनों बढ़ता है, साथ ही उस भाषा के दीर्घकालिक संरक्षण और विकास को भी गति मिलती है।सरकार ने मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है, जिससे भारत में शास्त्रीय भाषाओं की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, इन भाषाओं का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है, और शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने से इनके संरक्षण, अध्ययन और शोध को बढ़ावा मिलेगा बता दें साल 2013 में तत्कालीन महाराष्ट्र सरकार ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है, यह फैसला महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से ठीक पहले आया है, जिसे एक राजनीतिक कदम भी माना जा रहा है।

साथियों बात अगर हम समिति के बारे में समझने की करें तो केन्द्रीय हिन्दी समिति हिन्दी के प्रचार-प्रसार तथा प्रगामी प्रयोग के संबंध में दिशा-निर्देश देने वाली सर्वोच्च समिति है। समिति का कार्य हिन्दी के विकास और प्रसार में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे कार्यों और कार्यक्रमों का समन्वय करना है। अपने काम के निष्पादन में सहायता देने के लिए समिति को आवश्यकतानुसार उप-समितियां नियुक्त करने और अतिरिक्त सदस्य सहयोजित करने का अधिकार है। समिति का कार्यकाल सामान्युतः तीन वर्ष का होता है। वर्तमान समिति का पुनर्गठन 09 नवंबर, 2021 को किया गया था।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि केंद्रीय हिंदी समिति की 32वीं बैठक का आगाज़-युवा पीढ़ी की 100 पर्सेंट क्षमता उपयोग करने,अपनी मातृभाषा में पढ़ना, सोचना, विश्लेषण करना ज़रूरी।विश्व में 11 शास्त्रीय भाषाओं वाला भारत इकलौता देश बना।भारत में इंजीनियरिंग मेडिकल प्राथमिक व सेकेंडरी शिक्षा भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होने से सभी भाषाओं के विकास का अनुकूल माहौल सराहनीय। (लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी /ईएमएस) (संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभक़ार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी))

समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस (7 नवम्बर) पर विशेष

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्त्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी।(लेखक – योगेश कुमार गोयल/ईएमएस)(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

शब्द पहेली - 8180

बाएँ से दाएँ
1.सुगंध,खुशबू-3
3.व्यवस्था-2,2
5.आम लोग-2
6.चिंतन,सोच विचार-3
7.पराया-2
8.विनाश,विध्वंस-2
10.अपने ही घर में बंधक-5
12.वसय,घेरा-3
15.आंचल,पल्लू-3
17.सेंधमार-5
20.भाग्य (अंग्रेजी-2)
22.एक सवारी गाड़ी-2
23.पीहर,पिता का घर-3
24.नवीन,नया,नवजात-2
25.लात मारना-4
26.जोंक,न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे
1.जी,चित्त,इच्छा-2
2.करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3.तार कसना-3
4.जोकर,विदुषक-4
5.दुनिया,जगत-3
7.पंख-2
9.सदैव,हरदम-2
11.जन्म,पैदा होना-3
13.जुड़वा-3
14.आश्चर्य में पड़ना-5
15.जंगल की आग-4
16.टोंटी,नलका-2
18.वश,अधीन-2
19.परिणाम,हल-3
21.अर्जित करना-3
24.लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8179 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्पादकीय

खेल - समाचार

जलज ने बनाया रिकार्ड , रणजी में 6000 रन और 400 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बने

थुंबा (ईएमएस)। रणजी ट्रॉफी में केरल की ओर से खेलते हुए ऑलराउंडर जलज सक्सेना ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। जलज ने यहां उत्तर प्रदेश के खिलाफ हुए एलीट ग्रुप सी के चौथे दौर के मैच में अपने 6000 रन और 400 विकेट पूरे किये। ये रिकार्ड बनाने वाले जलज पहले खिलाड़ी हैं।

37 साल के जलज ने बाएं हाथ के बल्लेबाज नीतीश राणा का विकेट लेकर अपने 400 विकेट पूरे किये। वह रणजी ट्रॉफी के इतिहास में 400 विकेट के लेने वाले 13वें गेंदबाज बन गये हैं। टॉस जीतकर गेंदबाजी करते हुए केरल ने जलज की शानदार गेंदबाजी से उत्तर प्रदेश की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। जलज ने बाएं हाथ के बल्लेबाज नितीश राणा को स्टंप आउट करके 400वें विकेट की उपलब्धि हासिल की। इसके बाद अपना पांचवां विकेट लिया। ये रणजी ट्रॉफी में उनका 29 वीं बार पांच विकेट हॉल था। उत्तरप्रदेश के खिलाप उनका ये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उत्तर प्रदेश 18वीं टीम है, जिसके खिलाफ जलज ने पांच विकेट लिए हैं। इस प्रकार उन्होंने टूर्नामेंट में पांच विकेट लेने के पंकज सिंह के रिकार्ड की बराबरी की है।

जलज ने साल 2005 में मध्य प्रदेश की से अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की थी। मप्र की ओर से अपने 11 साल के कार्यकाल में उन्होंने 159 विकेट लिए और 4041 रन बनाए। साल 2016-17 सीजन में वह केरल की ओर से खेलने लगे। इस दौरान वह टीम के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। इसके अलावा वह घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सभी प्रारूपों में 9000 रन और 600 विकेट हासिल करने वाले केवल चौथे खिलाड़ी बने और वीनू मांकड़, मदन लाल और परवेज़ रसूल के क्लब में शामिल हुए हैं। रणजी ट्रॉफी में उनका रिकॉर्ड सक्रिय ऑलराउंडरों में सबसे बेहतर है। हैरानी की बात है कि अपने शानदार घरेलू रिकार्ड के बाद भी जलज को आज तक आईपीएल में अवसर नहीं मिला है।

एएफसी चैंपियंस लीग : रोनाल्डो के गोल से अल नासर जीती

रियाद (ईमएएस)। स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार गोल से सऊदी अरब के अल नासर क्लब ने एएफसी चैंपियंस लीग फुटबॉल के एलीट वर्ग में गत चैंपियन अल ऐन को 5-1 से हरा दिया। इस प्रकार 12 टीमों की तालिका में अल नासर शीर्ष तीन में पहुंच गयी है। अल नासर के इस जीत से चार मैचों में 10 अंक हो गये हैं।

अब वह स्थानीय टीमों अल हिलाल और अल अहली से दो अंक ही पीछे हैं। इन दोनों ही टीमों ने अभी तक अपने चारों मैच जीते हैं। अल नासर की तरफ से पहला गोल एंडरसन तालिस्का ने खेल शुरू होने के पांच मिनट बाद ही दाग दिया। इसके बाद रोनाल्डो ने अपना दूसरा गोल किया। वहीं फैबियो कार्डोसो के आत्मघाती गोल से अल नासन ने मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त बना दी। वहीं वेस्ले और एंडरसन ने दूसरे हाफ में अल नासर के लिए गोल किए। वहींजापान के विसेल कोबे ने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू एफसी पर 2-0 से जीत से अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल कर लिया जबकि मलेशिया के जोहोर दारूल ताज़िम दक्षिण कोरिया के दो बार के चैंपियन उल्सान एचडी पर 3-0 से जीत के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष दस में शामिल हुए ऋषभ और मिचेल , रूट शीर्ष पर बरकरार

जडेजा गेंदबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंचे

दुबई (ईएमएस)। भारत के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष 10 खिलाड़ियों में जगह मिली है। ऋषभ और मिचेल ने मुंबई में हुए तीसरे टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन कर अन्य खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। ऋषभ ने भारत की ओर से दूसरे पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। इससे वह टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच स्थान के लाभ के साथ ही छठे स्थान पर पहुंच गये। इससे वह एक बार फिर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग के करीब पहुंच गये हैं। इससे पहले उन्होंने अंतिम बार जुलाई 2022 में पांचवीं रैंकिंग हासिल की थी। वहीं पहली पारी में 82 रन बनाने के बाद कीवी बल्लेबाज मिचेल ने भी काफी आठ पायदान की छलांग लगाकर कुल मिलाकर सातवां स्थान हासिल किया है। अब वह अपने साथी खिलाड़ी केन विलियमसन के साथ शामिल हो गए हैं, जो दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इंग्लैंड के जो रूट टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर अपनी बढ़त बनाये हुए हैं। उनके बाद न्यूजीलैंड के विलियमसन दूसरे , इंग्लैंड के हैरी ब्रूक (तीसरे), भारत के यशस्वी जायसवाल (चौथे) और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ (पांचवें) हैं। भारत के शुभमन गिल भी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में 90 रन की पारी खेलकर चार पायदान ऊपर 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के विल यंग को भी अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वह 29 पायदान ऊपर 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजी में भारत के बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा 10 विकेट लेने के बाद दो पायदान ऊपर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं वाशिंगटन सुंदर भी सात पायदान ऊपर चढ़कर टेस्ट गेंदबाजों की सूची में 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल 12 पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ईश सोढ़ी तीन पायदान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज चार पायदान ऊपर चढ़कर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं, उन्हें हाल ही में दक्षिण अफ्रीका की सीरीज में बांग्लादेश के खिलाफ शानदार 13 विकेट लेने का फायदा मिला है।

एकदिवसीय रैंकिंग में भी काफी बदलाव हुआ है। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे मैच में अपना 17वां शतक लगाने के बाद पांच पायदान ऊपर चढ़कर बल्लेबाजी रैंकिंग में 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन ने भी इसी मैच में शतक लगाने के बाद 32 पायदान ऊपर चढ़कर 58वें स्थान पर पहुंचकर पहुंच गये हैं। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और मिशेल स्टार्क ने एकदिवसीय गेंदबाजों की रैंकिंग में बढ़त हासिल की है। वह तीन पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि स्टार्क पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की वनडे सीरीज में अपने शुरुआती प्रदर्शन के बाद चार पायदान चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

रैना ने कैंची धाम आश्रम पहुंचकर पूजा अर्चना की

नैनीताल (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना यहां दर्शनों के लिए बाबा नीम करौली के कैंची धाम आश्रम पहुंचे। रैना ने आश्रम पहुंचकर पूजा अर्चना और ध्यान लगाया। रेना ने इसके साथ ही बाबा की शिला पर फूल माला भी चढ़ाई। इस दौरान कैंची धाम मंदिर प्रबंधक भयू साह और अन्य पदाधिकारियों ने रैना का स्वागत किया। रैना कुछ समय यहां रहे। रैना ने कहा कि उन्हें आज नीम करौरी महाराज के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। इससे उन्हें बड़ी मानसिक शांति मिली है। नीम करौरी महाराज के दर्शन के लिये इन दिनों श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ रही है। बाबा के दर्शन करने वालों में कई बड़ी हस्तियां शामिल रही हैं।नीम करौरी महाराज के दर्शन करने वालों में अभी तक देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, उप्र के मंत्री दारा सिंह, सपा नेता डिंपल यादव, क्रिकेटर विराट कोहली एवं उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा, क्रिकेटर उमेश यादव, ऋषभ पंत, लक्ष्य सेन, अभिनेता एवं सांसद रवि किशन, अभिनेता राजपाल यादव आदि लोग शामिल हैं। इसके अलावा एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स , फेसबुक के मार्क जुकरबर्ग भी एक समय दर्शनों के लिए कैंची धाम आये थे

पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलि याई टीम घोषित, जोश इंग्लिस होंगे कप्तान

कैनबरा (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 सीरीज और बचे हुए दो एकदिवसीय मैचों के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस करेंगे। ये टी20 सीरीज 14-18 नवंबर के बीच ब्रिसबेन, सिडनी और होबार्ट में होगी। इंग्लिस को अच्छे प्रदर्शन के कारण अनुभवी खिलाड़ियों ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस के होने के बाद भी कप्तानी दी गयी है।

इंग्लिस ने पिछले साल भारत में विश्व कप में अहम भूमिका निभाई थी और अब अनुभवी कीपर मैथ्यू वेड के संन्यास लेने से वह सफेद गेंद के प्रारुप में विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद होंगे। चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, जोश एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों का एक अहम सदस्य है और मैदान के अंदर और बाहर एक बेहद सम्मानित खिलाड़ी है। वह पहले ऑस्ट्रेलिया ए की कप्तानी कर चुका है और अब राष्ट्रीय टीम में इस भूमिका में मजबूत सामरिक कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण लाएगा। जोश को मैट शॉर्ट और एडम जम्पा के साथ-साथ ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों से भी समर्थन मिलेगा।

जोश को कमान मिलने से टेस्ट कप्तान पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ पाकिस्तान के खिलाफ चल रही एकदिवसीय सीरीज के अंतिम मैच से बाहर हो गए हैं ।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 901 , निफ्टी 270 अंक ऊपर आया

मुंबई (ईएमएस) । घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से भी आया है। इसके अलावा अमेरिका में रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनावों में जीतने से भी बाजार को बल मिला है। आज सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही एक फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुए। कारोबार के अंत में आईटी क्षेत्र में आई भारी खरीददारी से भी बाजार में उत्साह आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स901.50अंक करीब 1.13 फीसदी उछलकर 80,378.13 पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 270.75 अंक तकरीबन 1.12 फीसदी बढ़ने के बाद 24,484 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक 110.15 अंक करीब 0.21 फीसदी बढ़ने के बाद 52,317.40 पर पहुंच गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स कारोबार के अंत में 1,240.35 अंक या 2.21 फीसदी ऊपर आकर 57,355.80 पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 402.65 अंक या 2.18 फीसदी तेजी के साथ ही 18,906.10 पर बंद हुआ। निफ्टी के ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, रियलिटी, मीडिया और एनर्जी सेक्टर में भारी खरीददारी के कारण उछाल आया। सेंसेक्स पैक में टीसीएस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी और मारुति के शेयर लाभ में रहे। टाइटन, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। बाजार का रुझान सकारात्मक रहा।

बाजार जानकारों के अनुसार, अमेरिकी चुनाव में ट्रंप को मिले मजबूत जनादेश के साथ राजनीतिक अनिश्चितता कम हुई जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है।

इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे थे। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स में 283 अंकों की बढ़त के साथ 79,759 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 ने 57 अंकों की बढ़त के साथ 24,271 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, चीन का मुख्य सीएसआई 300 इंडेक्स 0.17 फीसदी की बढ़त पर है, शंघाई मामूली नकारात्मक रुख के साथ सपाट है, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 1.02 फीसदी नीचे है और जापान का निक्केई 1.39 फीसदी से अधिक की बढ़त पर कारोबार कर रहा है।

अब भारतीय म्यूचुअल फंड कर सकेंगे विदेशी फंडों में निवेश

सेबी ने कहा कि यह कदम निवेश प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने लिया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड कंपनियों (एमएफ) को उन विदेशी म्यूचुअल फंड्स या यूनिट ट्रस्ट्स में निवेश करने की इजाजत दी है, जो अपनी संपत्ति का एक हिस्सा भारतीय प्रतिभूतियों में लगाते हैं। यह फैसला एक परिपत्र के तहत लिया गया और इसके जल्द लागू होने की भी घोषणा की गई है।

सेबी ने कहा कि यह कदम विदेशी म्यूचुअल फंड्स में निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने, पारदर्शिता लाने और भारतीय म्यूचुअल फंड्स को अपने विदेशी निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने में मदद करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नए निर्देशों के तहत, यह जरुरी होगा कि भारतीय म्यूचुअल फंड्स ऐसे विदेशी कोषों में निवेश करें जिनकी शुद्ध संपत्ति का 25फीसदी से ज्यादा भारतीय प्रतिभूतियों में निवेशित न हो। यदि किसी निवेश के परिणामस्वरूप यह सीमा पार हो जाती है, तो फंड्स को अपनी पोर्टफोलियो स्थिति को संतुलित करने के लिए छह महीने का समय दिया जाएगा। हालांकि इस अवधि में कोई नया निवेश नहीं किया जाएगा। सेबी ने हितों के टकराव को रोकने के उद्देश्य से भारतीय म्यूचुअल फंड्स और विदेशी म्यूचुअल फंड्स के बीच सलाहकार समझौतों पर बैन भी लगाया है। इसके साथ ही सेबी ने यह तय करने की जरुरत पर बल दिया कि विदेशी एमएफ/यूनिट ट्रस्ट्स में किए गए निवेश सभी निवेशकों के लिए एक समान और आनुपातिक अधिकार प्रदान करें।

यह नया नियम म्यूचुअल फंड्स के निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने और पारदर्शिता तय करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इसके तहत विदेशी म्यूचुअल फंड्स में निवेश के लिए एमएफ योजनाओं को यह तय करना होगा कि निवेशकों के अंशदान को एक ही साधन में शामिल किया जाए और किसी सहयोगी इकाई के बगैर अलग-अलग पोर्टफोलियो न बनाए जाएं।

विश्लेषकों का मानना है कि सेबी का यह कदम भारतीय म्यूचुअल फंड्स को वैश्विक बाजार में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनाएगा और उन्हें कई क्षेत्रों में अपने निवेश का विस्तार करने में मदद भी करेगा।

लेबनान को संकटकाल में मान वीय सहायता पहुंचा रहा संयुक्त राष्ट्र

फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए मेडिकल सामग्री व ईंधन भेजा

जेनेवा (ईएमएस)। लेबनान को संकटकाल में संयुक्त राष्ट्र और उसकी साझेदार एजेंसियां मानवीय सहायता पहुंचा रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए यूएन रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने टायर के बुर्ज शिमाली शरणार्थी शिविर को मेडिकल सप्लाई और जनरेटर के लिए ईंधन भेजा है।

इसके अलावा एक मानवीय काफिले ने बालबेक-एल हर्मेल क्षेत्र के लैबवेह हेल्थकेयर सेंटर में चिकित्सा सामग्री, दवाइयां और हाइजीन किट भेजी है। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) ने अपनी आपातकालीन सहायता के साथ-साथ नियमित पहलों के जरिए 2 मिलियन से अधिक कमजोर लोगों तक खाद्य सहायता पहुंचाई है। डब्ल्यूएफपी ने सीरिया में शरण लेने वाले लेबनानी और सीरियाई लोगों को भी खाद्य आपूर्ति की है।

यूनिसेफ बच्चों को शिक्षा की ओर लाने का कर रहा प्रयास

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने भी मदद जारी रखी है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर 387,000 लेबनानी बच्चों को शिक्षा की ओर वापस लाने का प्रयास कर रहा है। इन बच्चों में शेल्टर और युद्ध से प्रभावित बच्चे भी शामिल हैं। यह पहल लेबनान के 326 सार्वजनिक स्कूलों में शिक्षा की उपलब्धता को सुनिश्चित करने का हिस्सा है, जिन्हें आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना के तहत खोला जा रहा है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि देश की मानवीय स्थिति 2006 के युद्ध से भी अधिक गंभीर हो चुकी है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र लगातार हमलों का सामना कर रहा है, और संसाधनों की भारी कमी हो गई है।

मदद के लिए तत्काल धन की आवश्यकता

संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता ने कहा, हमारे सहयोगियों को डर है कि बढ़ती शत्रुता के कारण भोजन, दवाइयां, शेल्टर और अन्य आवश्यक वस्तुओं की मांग में और वृद्धि हो सकती है। उन्होंने मदद जारी रखने के लिए तत्काल धन की आवश्यकता पर बल दिया है। अक्टूबर की शुरुआत में 426 मिलियन डॉलर की मानवीय अपील की गई थी, लेकिन अभी तक केवल 19 प्रतिशत राशि ही जुटाई जा सकी है, जो कि महज 80 मिलियन डॉलर है। संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता ने देशों से अपील की है कि वे वादों को जल्दी से लागू करें और नकद सहायता प्रदान करें।

सोने-चांदी के दामों में गिरावट

- सोने के भाव 78,450 रुपए, चांदी 93,500 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा भाव में बुधवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव बुधवार 78,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों में सुस्ती देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 176 रुपये की गिरावट के साथ 78,331 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 41 रुपये की गिरावट के साथ 78,466 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 78,526 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 78,206 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 79,775 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 519 रुपये की गिरावट के साथ 94,129 रुपये पर खुला। इस समय यह 1,121 रुपये की गिरावट के साथ 93,527 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 94,129 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 93,000 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00081 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव लुढ़क गए। कॉमेक्स पर सोना 2,752.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,749.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.80 डॉलर की गिरावट के साथ 2,746.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.78 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.77 डॉलर था। इस समय यह 0.40 डॉलर की नरमी के साथ 32.37 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ट्रंप की जीत से चीन को होगा नुकसान, इजराइल होगा और ताकतवर, इन देशों पर पड़ सकता है असर

वॉशिंगटन,6 नवंबर

अमेरिकी चुनावः चूंकि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीत गए हैं, इसलिए इसका असर कई देशों पर पड़ेगा. इसका असर भारत समेत चीन, इजराइल, रूस, यूक्रेन और ईरान पर दिखेगा। व्यापार और एच1बी वीजा के मामले में भारत प्रभावित हो सकता है। हालाँकि, इसका अन्य देशों पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं. उनके खिलाफ कमला हैरिस थीं, लेकिन ट्रंप 276 वोटों से जीत गए। इस जीत के बाद वह एक बार फिर अमेरिका की सत्ता संभालने के लिए तैयार हैं.

अमेरिका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी तरह से चीन से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। अमेरिका चीन को अपना सहयोगी मानता है. इसलिए चीन पर इसका असर जरूर दिखेगा. ट्रम्प ने पहले ही एक चुनावी रैली में चीन के साथ व्यापार युद्ध की घोषणा कर दी थी। ट्रम्प के सत्ता में आने से पहले, उन्होंने चीन से 250 अरब डॉलर के आयात पर शुल्क लगाया था। इस बार रैली में ट्रंप ने कहा कि अगर वह सत्ता में आए तो इस ड्यूटी को 60 से बढ़ाकर 100 कर देंगे. तो अब जब वे जीत गए हैं, अगर वे हमेशा के लिए इस पर बने रहे तो चीन को बहुत नुकसान होगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन में कुछ लोगों का मानना है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में अमेरिका यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई बंद या कम भी कर सकता है। साथ ही मदद के लिए सैनिक भी कम भेज सकते हैं. इसलिए रूस के खिलाफ यूक्रेन की ताकत कम हो सकती है. एक रिपोर्ट यह भी है कि यूक्रेन इस युद्ध को जारी रखने के लिए काफी हद तक दूसरे देशों पर निर्भर है। इसलिए अगर अमेरिका को मदद नहीं मिली तो यूक्रेन के लिए बहुत बुरी स्थिति पैदा हो सकती है. इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी दावा किया कि वह इस युद्ध को 24 घंटे के अंदर खत्म कर सकते हैं.

इस बयान से ऐसा लग रहा है कि वे यूक्रेन को रूस के साथ समझौता करने के लिए मजबूर कर सकते हैं. अगर ऐसा नहीं हुआ तो यूक्रेन को दिया जाने वाला फंड रोका जा सकता है. अगर अमेरिका ने मदद करना बंद कर दिया तो यूक्रेन अपनी जमीन का एक बड़ा हिस्सा खो देगा और रूस इस पर दावा करेगा. उधर, कमला हैरिस ने कहा कि जब तक यूक्रेन को जरूरत होगी, अमेरिका मदद करेगा। इसलिए इस बात की अधिक संभावना है कि ट्रंप कमला हैरिस के ख़िलाफ़ हैं।

इजराइल डेमोक्रेसी इंस्टीटयूट के सर्वे के मुताबिक 65 फीसदी लोगों का मानना है कि ट्रंप इजराइल के हितों के लिए एक अच्छी पसंद हैं. हालांकि, 13 फीसदी लोगों ने कमला हैरिस को चुना. ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान येरुशलम को इजराइल की राजधानी घोषित किया था. ट्रंप ने कहा, ठजो कोई भी यहूदी है या यहूदी लोगों से प्यार करता है या इज़राइल से प्यार करता है और डेमोक्रेट पार्टी को वोट देता है वह मूर्ख हैठ

दूसरी ओर, कमला हैरिस पर इजराइल को लेकर स्पष्ट न होने का भी आरोप लगा. उन्होंने इजराइली सेना की रणनीति पर भी सवाल उठाए और आलोचना की. उनकी छवि इसराइल विरोधी बन गयी. इस छवि को सही करने के लिए उन्होंने अगस्त में कहा था कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है और इसीलिए वह हमेशा इजराइल के पक्ष में है.

एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप की चुनाव जीत ईरान के लिए बेहद बुरी खबर है. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरान के परमाणु संयंत्र पर हमला कर सकते हैं। उसके लिए जो बिडेन ने इजराइल के हाथ बांध दिए थे। अगर कमला हैरिस यह चुनाव जीत जातीं तो वह भी इसराइल को इसके लिए रोक सकती थीं. हालांकि, ऐसी चर्चा है कि डोनाल्ड ट्रंप इसकी इजाजत दे सकते हैं. डोनाल्ड ट्रंप पहले से ही ईरान के ख़िलाफ़ हैं. इसलिए अगर चीन और ईरान चुनाव जीतते हैं तो उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान होगा। हालांकि, इससे इजरायल और रूस को फायदा होगा

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावः परिणामों का भारत-अमेरिका संबंधों पर असर नहीं

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कैनबरा में एक कार्यक्रम में दिया बयान

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का परिणाम को लेकर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि चुनाव का परिणाम का भारत और अमेरिका के संबंधों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चुनावों के परिणामों के बावजूद अमेरिका का वैश्विक दखल और उसकी विदेश नीति में एक अलगाववादी प्रवृत्ति आने की संभावना है।

जयशंकर ने यह बयान बुधवार को कैनबरा में एक कार्यक्रम में दिया जब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम की गिनती चल रही थी, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है। जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी चुनाव के परिणामों से अमेरिकी दीर्घकालिक विदेश नीति में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। विशेष रूप से बराक ओबामा के बाद से अमेरिका ने अपनी वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बारे में ज्यादा सतर्कता दिखाई है। उन्होंने अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी का उदाहरण दिया और कहा कि भविष्य में भी अमेरिकी नीति में इस तरह का अलगाव जारी रह सकता है।

उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बनते हैं तो उनकी नीतियां और स्पष्ट हो सकती हैं, लेकिन हम अमेरिका को वर्तमान प्रशासन के विचारों से परे देखें और समझें। अमेरिका को शुरू में जो वैश्विक प्रभुत्व और उदारता हासिल थी, वह शायद भविष्य में न रहे। जयशंकर का यह बयान अमेरिका की बदलती विदेश नीति की ओर इशारा करता है, जो ज्यादातर घरेलू मामलों और राष्ट्रीय हितों पर केंद्रित है। जयशंकर ने यह भी उल्लेख किया कि भविष्य में भारत और अमेरिका के बीच संबंध और मजबूत होंगे। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रियों ने भी कहा कि उनके देशों को वैश्विक स्तर पर अपनी इच्छाओं के मुताबिक वातावरण बनाने के लिए कदम उठाने होंगे। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने कहा कि हम जिस दुनिया को बनाने की कोशिश कर रहे थे, वह बदल रही है और हमें इस पर प्रतिक्रिया देनी होगी।

आरबीआई गवर्नर ने चेताया, अक्टूबर में और बढ़ सकती है महंगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने चेतावनी देते हुए कहा कि, अक्टूबर में त्योहारों के चलते महंगाई और बढ़ सकती है। बुधवार को दास ने कहा कि आरबीआई महंगाई को नियंत्रित करने के लिए मजबूत और तेजी से कदम उठाने की तैयारी कर रही है। दास ने चेताया कि महंगाई पर बड़े खतरे बने हुए हैं। भू-राजनीतिक तनाव, कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव और जलवायु परिवर्तन जैसे कारणों से महंगाई बढ़ सकती है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की तुलना टाइगर से की, जो बदलते वैश्विक हालात में भी मजबूती बनाए हुए है। बता दें कि भारत में खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से महंगाई बढ़ी है, खासकर सितंबर में महंगाई दर 5.5 प्रतिशत रही, जिसमें सब्जियों के दाम में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी और खाद्य महंगाई दर 9.24 प्रतिशत पहुंच गई थी।

दास ने कहा कि महंगाई और बाहरी चुनौतियों के बावजूद आरबीआई वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। वित्तीय बाजार में हम दो बड़े अंतरराष्ट्रीय घटनाओं अमेरिकी चुनाव परिणाम और चीन की तरफ से वित्तीय सहायता के ऐलान का इंतजार कर रहे हैं। दास ने कहा, अमेरिकी चुनाव का नतीजा किसी भी तरफ जा सकता है। लेकिन एक बात साफ है कि भारत और अमेरिका के संबंध काफी मजबूत हो चुके हैं, और यह स्थिति किसी भी जीतने वाले पक्ष के साथ जारी रहेगी। शक्तिकांत दास ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र वैश्विक घटनाओं के असर को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारत की अर्थव्यवस्था और वित्तीय हालात किसी भी बाहरी प्रभाव का सामना करने के लिए काफी मजबूत हैं।

आर्थिक हालात पर आरबीआई की नजर

दास ने बताया कि आरबीआई आर्थिक हालात पर नजर रखने के लिए लगभग 70-80 हाई-ीक्वेंसी संकेतकों को ट्रैक करता है। कुछ क्षेत्रों में धीमापन है, लेकिन अच्छी बातें खराब बातों से ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि भारत की ग्रोथ आउटलुक अब भी पॉजिटिव है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 7 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान दिया है, जबकि आरबीआई का अनुमान 7.2 प्रतिशत है। भारत की ग्रोथ पर बात करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कई मुख्य संकेतों में सुधार का ज़िक्र किया, जिनमें जीएसटी, ई-वे बिल, टोल कलेक्शन, हवाई यात्री संख्या, स्टील की खपत और सीमेंट बिक्री शामिल हैं। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि यह बढ़त भारत की आर्थिक मजबूती को दिखाती है, भले ही औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और शहरी इलाकों में एफएमसीजी की बिक्री में थोड़ी गिरावट देखी जा रही है।

देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में बढ़कर 28,32,944 इकाई हुईः फाडा

मुंबई (ईएमएस)। देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 28,32,944 इकाई हो गई। दोपहिया तथा यात्री वाहनों सहित सभी खंडों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। उद्योग संगठन फाडा ने बुधवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर 2023 में खुदरा बिक्री 21,43,929 इकाई रही थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस वर्ष अक्टूबर में मजबूत वृद्धि की मुख्य वजह मजबूत ग्रामीण मांग रही। खासकर दोपहिया तथा यात्री वाहनों की बिक्री में तेजी और रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि से समर्थन मिला। यात्री वाहनों की बिक्री 32.38 प्रतिशत बढ़कर 4,83,159 इकाई हो गई, जो अक्टूबर 2023 में 3,64,991 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 36.35 प्रतिशत बढ़कर 20,65,095 इकाई रही जो अक्टूबर 2023 में 15,14,634 इकाई थी।

अक्टूबर 2024 में तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11.45 प्रतिशत बढ़कर 1,22,846 हो गई। फाडा के अनुसार अक्टूबर में ट्रैक्टर की बिक्री 3.08 प्रतिशत बढ़कर 64,433 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 62,542 इकाई थी। उद्योग संगठन के अनुसार अक्टूबर में प्रमुख त्यौहारों के एक साथ आने से उपभोक्ता मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आकर्षक त्यौहारी ऑफर, नए मॉडल पेश होने और बेहतर उपलब्धता से दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत और मासिक आधार पर 71 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अलावा, ग्रामीण मांग, अनुकूल मानसून और अच्छी फसल की उम्मीदों ने भी वृद्धि में योगदान दिया। वहीं यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 32 प्रतिशत और मासिक आधार पर 75 प्रतिशत बढ़ी। यह त्योहारी मांग, बेहतरीन ऑफर और नए मॉडल पेश होने से प्रेरित रही। फाडा समग्र मोटर वाहन उद्योग के निकट भविष्य की वृद्धि को लेकर आशावादी है, खासकर आगामी शादियों को देखते हुए। हालांकि, अत्यधिक स्टॉक और आर्थिक प्रतिकूलताओं जैसी संभावित चुनौतियां वर्ष के अंत में बिक्री की गति को प्रभावित कर सकती हैं।

अक्टूबर में मजबूत मांग के दम पर बढ़ीं देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। मजबूत मांग के दम पर देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां सितंबर के 10 महीने के निचले स्तर से उबरकर अक्टूबर में 58.5 पर पहुंच गई। इसे उत्पादन और नए कारोबार में मजबूत विस्तार से समर्थन मिला, जिससे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिला। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक अक्टूबर में 58.5 रहा जो सितंबर में 57.7 था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा ?कि भारत की सेवा क्षेत्र की गतिविधियां सितंबर में अपने 10 महीने के निचले स्तर से उबरकर पिछले महीने 58.5 पर पहुंच गई। अक्टूबर में भारतीय सेवा क्षेत्र के उत्पादन तथा उपभोक्ता मांग में मजबूत विस्तार हुआ साथ ही रोजगार सृजन ने 26 महीने का उच्चतम स्तर हासिल किया। नवीनतम आंकड़ों ने भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में नई निर्यात बिक्री की वृद्धि को भी रेखांकित किया। इसका श्रेय सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने अफ्रीका, एशिया, अमेरिका, पश्चिम एशिया और ब्रिटेन के ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती को दिया। इसके अलावा सर्वेक्षण में शामिल लोगों से करीब 13 प्रतिशत से रोजगार सृजन होने की बात की, जबकि सितंबर में यह आंकड़ा नौ प्रतिशत था।

डोनल्ड ट्रंप के जीतने के बाद बिटकॉइन में तूफानी तेजी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनल्ड ट्रंप के जीतने के बाद क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में जबरदस्त तेजी आई है। बिटकॉइन का भाव रिकॉर्ड हाई 75,011.06 हजार डॉलर के स्तर को छू गया। इससे पहले बिटकॉइन ने 14 मार्च को 73,797.68 डॉलर का सर्वकालिक उच्च स्तर छूआ था। कभी क्रिप्टोकरेंसी के कट्टर आलोचक रहे डोनल्ड ट्रंप का रुख अब बदल चुका है और उन्हें क्रिप्टो समर्थक माना जाने लगा है। वहीं कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति रहते क्रिप्टो उद्योग को लेकर कड़ा रुख अपनाया था। साल 2024 में बिटकॉइन ने 70 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। यह वैश्विक शेयरों और सोने जैसे पारंपरिक परिसंपत्तियों के मुकाबले बहुत ज्यादा है। इस साल का राष्ट्रपति चुनाव क्रिप्टो इंडस्ट्री को लेकर काफी अहम था।

कई लोग हैरिस की जीत को क्रिप्टो के लिए खतरा मान रहे थे वहीं ट्रम्प को क्रिप्टो इंडस्ट्री के लिए पॉजिटिव माना जा रहा था। बिटकॉइन के अलावा अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी तेजी देखी जा रही है। एक समय इथेरियम का रेट 6.5 फीसदी बढ़ गया। ट्रंप समर्थक एलन मस्क द्वारा प्रमोट किए गए डॉजकॉइन, जिसे मेमकॉइन भी कहा जाता है, के भाव में भी 18 फीसदी तक का उछाल आया। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को क्रिप्टो राजधानी बनाने, एक रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व बनाने और डिजिटल संपत्तियों के पक्षधर नियामकों को नियुक्त करने का वादा चुनाव प्रचार के दौरान किया था।

वैज्ञानिकों की नई खोजः मच्छरों की वृद्धि रोकने वाला बैक्टीरिया

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक विशेष बैक्टीरिया की खोज की है, जो बीमारियां फैलाने वाले मच्छरों की वृद्धि को रोकने में सहायक हो सकता है। एक्सेटर और वगेनिंजेन विश्वविद्यालयों की शोधकर्ताओं की टीम ने दिखाया है कि यदि मच्छरों के लार्वा असाइआ बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं, तो उनकी वृद्धि में तेजी आती है। यह खोज डेंगू, पीला बुखार, और ज़ीका जैसी मच्छरों द्वारा फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम में मदद कर सकती है।

हाल ही में एक मैग्जीन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, इस बैक्टीरिया ने मच्छरों के विकास के समय को एक दिन बढ़ा दिया है। यह अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे असाइआ बैक्टीरिया मच्छरों के जीवन चक्र को प्रभावित कर सकते हैं। इससे पहले भी ऐसे कार्यक्रम चलाए गए हैं, जिसमें बिना काटने वाले नरों को पैदा करके छोड़ा गया है, ताकि बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। यह तरीका कीटनाशकों के मुकाबले अधिक प्रभावी साबित हो सकता है, खासकर जब मच्छरों ने कीटनाशकों के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लिया है।

शोधकर्ता प्रोफेसर बेन रेमंड ने बताया, असाइआ बैक्टीरिया मच्छरों के स्वास्थ्य में सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन इसे एडीस इजिप्टी पर पहले कभी पूरी तरह से नहीं आजमाया गया था। हमारे अध्ययन में पाया गया कि कुछ असाइआ बैक्टीरिया इस मच्छर के लार्वा की वृद्धि को सहायक बना सकते हैं। बैक्टीरिया का प्रभावः शोध में मच्छरों के लार्वा वाले पानी में असाइआ बैक्टीरिया मिलाए गए, और यह देखा गया कि दो विशेष प्रकार के असाइआ बैक्टीरिया लार्वा के विकास को तेज करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बैक्टीरिया सीधे पोषण नहीं देते, बल्कि अन्य बैक्टीरिया को बदलकर लार्वा की वृद्धि को बढ़ावा देते हैं।

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि असाइआ बैक्टीरिया ऑक्सीजन की मात्रा को घटाकर ऐसे हार्मोन उत्पन्न करते हैं, जो लार्वा की वृद्धि को तेज करते हैं। जब लार्वा तेजी से बढ़ते हैं, तो वे जल्दी से वयस्क मच्छर बन जाते हैं, जिसका अर्थ है कि उनके पास संक्रमण फैलाने के लिए कम समय होता है। इस खोज से यह आशा जगी है कि भविष्य में मच्छरों की वृद्धि को नियंत्रित करने और उनसे होने वाली बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए एक नई और प्रभावी रणनीति विकसित की जा सकेगी।

सरकारी हस्तक्षेप से कम हो सकता है वायु प्रदूषण

-अमेरिका के ब्राउन विश्वविद्यालय में किया गया यह शोध

वाशिंगटन (ईएमएस) । भारत और पाकिस्तान में सरकारी हस्तक्षेप फसल जलाने की अवैध प्रथा को रोकने और दक्षिण एशिया में गंभीर वायु प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकता है। यह पता चला है एक नए अध्ययन से। यह अध्ययन अमेरिका के ब्राउन विश्वविद्यालय की शोधकर्ता जेम्मा डिपोप्पा के नेतृत्व में किया गया।

इस अध्ययन में बताया गया है कि फसल जलाने के कारण बढ़ने वाला वायु प्रदूषण हर साल दक्षिण एशिया में लगभग 20 लाख लोगों की जान लेता है, जिससे यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति बन चुका है। शोधकर्ताओं ने फसल जलाने से होने वाले प्रदूषण का शिशु और बाल मृत्यु दर पर प्रभाव भी अध्ययन किया। उनका अनुमान है कि अगर फसल जलाने की घटनाओं को कम किया जाए, तो प्रति 1,000 बच्चों में 1.5 से 2.7 बच्चों की जान बचाई जा सकती है। डिपोप्पा ने कहा, यह स्पष्ट तौर पर स्वास्थ्य आपातकाल है, और यह सवाल उठता है कि सरकार लोग के लिए हानिकारक चुनौती का सामना क्यों नहीं कर पा रही है।

डिपोप्पा और उनके सह-लेखक प्रिंसटन विश्वविद्यालय के साद गुलजार ने हवा, आग और स्वास्थ्य के दस वर्षों के डेटा का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि भारत और पाकिस्तान जैसे देशों में सरकारी अधिकारी तब एक्शन लेते हैं जब प्रदूषण उनके अपने क्षेत्र में बढ़ता है, जबकि पड़ोसी क्षेत्रों के प्रदूषण को लेकर वे सक्रिय नहीं होते। शोधकर्ताओं ने यह भी देखा कि सरकारी जुर्माना नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लागू होने से भविष्य में फसल जलाने वालों को हतोत्साहित किया गया और आग की घटनाएं 13 प्रतिशत कम हुईं।

डिपोप्पा ने बताया, सरकारी अधिकारी पहले से ही इस मुद्दे पर कदम उठा रहे हैं, लेकिन वे इसे तभी करते हैं जब उनके अपने क्षेत्र में प्रदूषण का असर होता है। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि अगर सरकारी अधिकारी को अधिक संसाधन मिले, तो वे प्रदूषण को और अधिक हद तक कम करने में सक्षम हो सकते हैं। अध्ययन में पाया गया कि जब हवा प्रदूषण पड़ोसी क्षेत्रों की ओर बढ़ने की संभावना होती है, तो फसल जलाने से होने वाली आग में 15 प्रतिशत की वृद्धि होती है। यह अध्ययन अमेरिका के ब्राउन विश्वविद्यालय की शोधकर्ता जेम्मा डिपोप्पा के नेतृत्व में किया गया। वहीं, जब प्रदूषण अपने ही क्षेत्र में फैलता है, तो आग की घटनाओं में 14.5 प्रतिशत की कमी आती है।

खास वजह के चलते- 17 लाख लोगों ने भारतीय महिला का अमेरिकी फ्लेट देखा

वॉशिंगटन (ईएमएस)। हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सारिका यादव नाम की महिला ने अमेरिका के एरिजोना राज्य में अपने नए फ्लैट का दौरा कराया है। सारिका ने इस वीडियो के माध्यम से न केवल अपने नए अपार्टमेंट का नजारा दिखाया, बल्कि यह भी बताया कि इस फ्लैट में कौन-कौन सी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सारिका ने अपने 2 बीएचके अपार्टमेंट का वीडियो शेयर करते हुए बताया कि यह फ्लैट फिनिक्स सिटी के पास है, जिसमें एक बालकनी है, जिससे स्विमिंग पूल और लॉन टेनिस कोर्ट का दृश्य दिखाई देता है। उन्होंने किचन, मास्टर बेडरूम, और गेस्ट रूम का भी विस्तार से वर्णन किया, जहां अटैच्ड बाथरूम और वॉर्डरोब जैसी सुविधाएं हैं।

हालांकि, इस वीडियो का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा फ्लैट का किराया है, जो सारिका ने 1 लाख 60 हजार रुपये बताया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यह फ्लैट शहर के केंद्र में होता, तो इसका किराया 2 लाख रुपये से ऊपर होता। वीडियो में सारिका ने दर्शकों से पूछा कि क्या यह किराया उचित है या नहीं। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है, और अब तक इसे 17 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। वीडियो पर लोगों के विभिन्न प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ लोगों ने इस किराए को अमेरिका की कीमतों के अनुसार सही बताया, जबकि अन्य ने भारतीय मानकों के आधार पर इसे अत्यधिक महंगा कहा।

कई कमेंट में लोग यह सुझाव दे रहे हैं कि अमेरिका में फर्निश्ड अपार्टमेंट खरीदना अधिक लागत-कुशल हो सकता है, जबकि कुछ ने कहा कि अमेरिका में अधिकतर फ्लैट एक समान होते हैं, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। एक अन्य कमेंट में कहा गया कि भारतीय घरों की गुणवत्ता अमेरिकी घरों से बेहतर है। यह वीडियो एक ओर जहां अमेरिका में रहने की वास्तविकता को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर यह भारतीयों के लिए वहां के जीवन की चुनौतियों और खर्चों को समझने का भी एक जरिया बन रहा है।

मैं ट्रंप को दोबारा अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई नहीं दूंगा, जानिए पुतिन ने ऐसा क्यों कहा?

वॉशिंगटन ,6 नवंबर

रूस और यूक्रेन का रिएक्शन यूएसए राष्ट्रपति चुनाव परः अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं. नतीजों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, हालांकि डोनाल्ड ट्रंप की जीत साफ है और उनका दोबारा अमेरिका का राष्ट्रपति बनना तय है. ट्रंप को भारत समेत दुनिया भर से बधाइयां मिल रही हैं. हालांकि, यह बात सामने आई है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ट्रंप की जीत से नाखुश हैं, जबकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की खुश हैं।

रूस के राष्ट्रपति ने कहा है कि, 'मैं ट्रंप को दोबारा अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई नहीं दूंगा. क्रेमलिन की ओर से कहा गया है, 'हम ट्रंप की नीतियों को देखने के बाद ही उन्हें बधाई देने पर विचार करेंगे. ट्रम्प के राष्ट्रपति पद का मूल्यांकन उनके कार्यों की योग्यता के आधार पर ही किया जाएगा। हम ट्रम्प को उनके कार्यों से परखेंगे।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोवा ने संवाददाताओं से कहा, ''हम ट्रंप की नीतियों को देखने के बाद ही उन्हें बधाई देने का फैसला करेंगे.'' मुझे अभी ट्रंप को बधाई देने की राष्ट्रपति की योजना के बारे में कोई जानकारी नहीं है, क्योंकि अमेरिका एक 'अमित्र देश' है।

ट्रंप की जीत पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की का भी बयान सामने आया है. उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी और यूक्रेन को और अधिक समर्थन देने की अपील की. उन्होंने कहा है कि, 'हम ट्रंप के उस बयान का समर्थन करते हैं, जिसमें उन्होंने 'ताकत के जरिए शांति' स्थापित करने की बात कही थी.

ज़ेलेंस्की ने ये भी कहा कि, 'सितंबर में मेरी और राष्ट्रपति ट्रंप की शानदार मुलाकात हुई थी.'' यह मुझे बैठक याद है, क्योंकि इस दौरान हमने यूक्रेन और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी, जीत की योजना और यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता को समाप्त करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की थी।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव जीतने पर बधाई दी है. पीएम मोदी ने ट्रंप को बधाई देते हुए एक खास संदेश दिया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'चुनाव में ऐतिहासिक जीत के लिए मेरे दोस्त को हार्दिक बधाई. जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए उत्सुक हूं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप बहुत अच्छे दोस्त हैं. उनकी दोस्ती की केमिस्टी दुनिया कई बार देख चुकी है। पीएम मोदी 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के लिए प्रचार करने अमेरिका गए थे. इस दौरान मोदी ने भारतीय समुदाय से ट्रंप के लिए वोट करने की अपील की. हालांकि, ट्रंप यह चुनाव हार गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप के साथ समर्थकों के बीच पहुंचे. यहां उन्होंने अपने विजय भाषण में सभी मतदाताओं को धन्यवाद दिया और कहा, 'यह इतिहास का सबसे महान राजनीतिक क्षण है। 'यह मेरी जीत नहीं है बल्कि यह हर अमेरिकी नागरिक की जीत है।' जब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने तो उन्होंने वीज़ा प्रक्रिया को बहुत कठिन बना दिया. इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि दोबारा राष्ट्रपति बनने की प्रक्रिया कठिन होगी. ए1-बीजा की शर्तें बेहद सख्त कर दी गई हैं. इसलिए आम आदमी को अब सभी वीज़ा आवश्यकताओं के लिए पहले की तुलना में अधिक मेहनत करनी होगी।

प्रदेश की कई मंडियां आज से हुई गुलजार, पांचवें मुहूर्त से व्यापारियों-किसानों को हुआ फायदा

अहमदाबाद,6 नवंबर

लाभ पंचम पर मार्केट यार्ड कामकाज फिर से शुरू करें: लाभ पंचम (6 नवंबर) पर पूजा करने से साधक को व्यापार आदि में लाभ होता है। आज का दिन कोई भी नया काम शुरू करने के लिए भी शुभ माना जाता है। दिवाली की छुट्टियों के बाद राजकोट, मोरबी, अरावली, जामनगर, पोरबंदर सहित बाजार प्रांगणों में आज से फिर से हलचल है। जहां मूंगफली, कपास और सोयाबीन जैसी अन्य फसलें उगना शुरू हो गई हैं।

लाभ पंचम के शुभ अवसर पर आज से राजकोट का बेदी मार्केट यार्ड शुरू हो गया। आज पहले दिन बेदी मंडी प्रांगण में मूंगफली की आवक हुई। आज मूंगफली की आय 1 लाख गुना हो गई और भाव 1250 रुपए तक बोले गए। हालांकि, समर्थन मूल्य से कम दाम मिलने से किसानों में थोड़ी निराशा भी थी।

लाभ पंचम के शुभ दिन पर, मोरबी मार्केट यार्ड फिर से शुरू हो गया है। आज कपास से अधिक आय हुई। मूंगफली, बाजरा, अरंडी, तिल, चना, सोयाबीन आदि से भी आय प्राप्त हुई है। आज 11,060 मन कपास की आवक हुई, जिसका भाव 1300 से 1550 रुपये तक बोला गया। इसके अलावा 2875 मन मूंगफली की आवक हुई, जिसके भाव 840 से 1256 रुपये तक बोले गए।

दिवाली की छोटी छुट्टियों के बाद जामनगर के हापा मार्केट यार्ड में 345 से अधिक वाहनों में मूंगफली सहित विभिन्न प्रकार के सामान की बिक्री शुरू हो गई है। मंगलवार से यार्ड में किसान मूंगफली लेकर आए तो डेढ़ किमी. लंबी कतार देखने को मिली। जिसमें इस बार किसानों को मूंगफली नंबर 66 के 2100 रुपए मिले हैं। इस यार्ड में तमिलनाडु से व्यापारी मूंगफली खरीदने आते हैं। लाभ पंचम के दिन, पोरबंदर के बाजार प्रांगण में जेतेसी की आय देखी गई। फिर आज मूंगफली की कीमत 1000 से 1100 रुपये तक पहुंच गई है। आने वाले दिनों में मूंगफली की आमदनी बढ़ेगी, दाम भी बढ़ेंगे। गौरतलब है कि किसानों को मूंगफली की गुणवत्ता के अनुसार अच्छे दाम भी मिले हैं।

हिम्मत नगर मार्केट यार्ड में मूंगफली की आय कई राशियों के साथ शुरू हुई। लेकिन दिवाली उत्सव के कारण सात दिनों तक बाजार बंद रहने के बाद आज (6 नवंबर) लाभ पंचम के शुभ अवसर पर खरीदारी फिर से शुरू हो गई। उस समय 15 हजार बोरी मूंगफली की आवक हुई थी और भाव 1200 से 1400 प्रति मन तक बोले गए थे।

लाभ पंचम के शुभ दिन पर जूनागढ़ के मार्केटिंग यार्ड में जेतिसी आय की शुरुआत की गई है। पहले दिन ही मूंगफली और सोयाबीन में सबसे ज्यादा राजस्व दर्ज किया गया और इनकी नीलामी की गई। सोयाबीन की पैदावार 10,000 बुशेल से अधिक और मूंगफली की 1,500 बुशेल से अधिक थी। जिसमें सोयाबीन का भाव 850 से 910 बोला गया, मूंगफली का भाव भी अच्छा रहा।

अमरेली के सावरकुंडला बाजार में नीलामी शुरू हो गई है। मंडी प्रांगण में चने की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। चने का भाव 1000 से 1561 रुपए बोला गया। बाजार प्रांगण में 40 मन का राजस्व दर्ज किया गया। इसके एक मन मूंगफली की कीमत 1251 रुपये और एक मन कपास की कीमत 1570 रुपये थी। गौरतलब है कि अमरेली जिले में ज्यादातर किसानों ने कपास, मूंगफली, सोयाबीन, गेहूं, चना और सफेद व काले तिल की फसल लगाई थी।

दिवाली की छुट्टियों के बाद मेहसाणा बाजार प्रांगण लोगों की आमदनी से गुलजार है। आज मंडी प्रांगण में 236 बोरी अरंडी की आवक दर्ज की गई। दीवाली उत्सव के बाद अरंडी की आय में कमी आई है, जिसकी न्यूनतम कीमत 1268 रुपये और उच्चतम कीमत 1292 रुपये प्रति मन थी। जबकि रायडा में 34 बोरी की आय देखी गई। रायडा की आय आज कम हो गई है, जिसकी कीमत घटकर 1075 से 1172 रुपये प्रति मन हो गई है। ज्ञात हो कि आज किसान दलहन, रायडू, अरंडी, रजका समेत अन्य फसलें बिक्री के लिए लेकर आये थे। मानसून के बाद शीतकालीन फसलें शुरू हो गई हैं। उत्तर गुजरात के अरावली में किसानों ने लाभ पंचम से आलू की बुआई शुरू कर दी है। जिसमें जिले में लगभग 60 से 70 हजार हेक्टेयर में आलू लगाया गया है।

वडोदरा में टीपी 13 में 50 मीटर पानी की लाइन में दो लीकेजः एक लीकेज का काम पूरा हो गया और दूसरे की मरम्मत का काम चल रहा है

वडोदरा,6 नवंबर

वडोदरा शहर के नॉर्थ जोन के टीपी-13 प्रयाग मंदिर के सामने वरदान कॉम्प्लेक्स के नीचे 6 दिन पहले वाटर लाइन लीकेज हो गई थी। छह दिनों तक लीकेज से हजारों लीटर पानी बर्बाद होने के बाद निगम को कल मरम्मत का समय मिला और काम किया गया। अब आज सुबह से ही प्रयाग के पास मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। रिसाव वाली जगह पर जेसीबी मशीन से खुदाई शुरू कर दी गई है।

वडोदरा में टीपी 13 में पानी की लाइन पर 50 मीटर में दो लीकेजः एक लीकेज का काम पूरा हो चुका है और दूसरे की मरम्मत का काम जारी है 2 - छवि वार्ड नंबर एक के लोगों के मुताबिक, यह पानी की लाइन खा गई है, इसलिए अक्सर लीकेज होती रहती है। वरदान और प्रयाग के पास 50 मीटर से कम दूरी पर लाइन पर दो लीकेज से पानी की भारी बर्बादी हुई। मुख्य सड़कों पर लीकेज के कारण पानी बह गया। इस लाइन पर बार-बार लीकेज होने के कारण कई समुदायों को पर्याप्त पीने का पानी नहीं मिल पाता है। एक ही लाइन पर बार-बार लीकेज की घटनाएं होने से लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इस प्रकार से लाइन खराब होने पर यदि लाइन हटाकर नई बिछा दी जाए तो लीकेज खुदाई व मरम्मत का कार्य दोबारा नहीं करना पड़ेगा। निगम को खुदाई और मरम्मत की लागत बचाने के लिए, दिवाली से कुछ दिन पहले, नवरात्रि के आसपास एक रिसाव हुआ। पिछले 12 माह में एक जगह चार से पांच बार रिसाव हो चुका है।

वडोदरा नगर निगम का 2024-25 पुनरीक्षण और 2025-26 ड्राफ्ट बजट की तैयारी शुरू

वडोदरा,6 नवंबर

वडोदरा नगर निगम का वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित बजट और वर्ष 2025-26 के लिए मसौदा बजट तैयार कर स्थायी समिति को प्रस्तुत किया जाना है, नगर निगम आयुक्त दिलीप राणा के निर्देशानुसार, विभिन्न विभागों को निर्देश दिया गया लेखा बजट तैयार करना तथा जमा एवं व्यय के आंकड़ों के संबंध में जानकारी प्रस्तुत करना है जिसके लिए प्रत्येक शाखा को बजट की जानकारी के साथ प्रपत्र 'ए' में व्यय का अनुमान भेजना होगा। प्रपत्र में वर्ष 2024-25 के लिए अनुमोदित अनुमान में अप्रैल से अक्टूबर 2024-25 तक किए गए वास्तविक व्यय, प्रेषित राशि और नवंबर से मार्च तक संभावित व्यय का अनुमान और वर्ष 2025-26 के लिए व्यय का अनुमान शामिल होना चाहिए।.

संग्रह के मामले में विशेष संग्रह और सामान्य संग्रह को दो भागों में बांटा गया है: (1) संग्रह (2) लाइट बिल (3) दुकानों के माध्यम से खरीदारी और सूचना को तीन भागों में भेजना होता है। क्या कारण है कि संशोधित अनुमान या नये वर्ष के बजट में 2024-25 में स्वीकृत अनुमान से अधिक राशि की मांग की जाती है? इसे शेयर कॉलम में स्पष्ट किया जाना चाहिए। जिन मदों में व्यय में भिन्नता का कारण नहीं दर्शाया गया है उनमें अतिरिक्त प्रावधान नहीं किया जायेगा, पूंजीगत बजट में यह भी विस्तृत जानकारी देनी होगी कि कार्य किसके द्वारा कराये गये हैं। वर्ष 2024-25 के बजट में 1-9-1997 से पहले के खातों के संचित व्यय को पूरा करने का प्रावधान किया गया है, जिन खातों को मार्च 2025 से पहले अपना संचित व्यय करना होगा।

यदि बजट में शामिल की जाने वाली जानकारी एवं व्यय प्रावधान की जानकारी समय पर नहीं भेजी गई एवं बजट में प्रावधान नहीं किया गया तो समस्त जिम्मेदारी खाताधारक की होगी। वर्ष 2024-25 के बजट में भारी भरकम प्रस्ताव एवं बजट में स्वीकृत राशि के संबंध में संशोधित बजट में आवश्यक प्रावधान किया जाना चाहिए। केन्द्र/राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत डीपीआर में शामिल कार्यों को पूंजीगत बजट के तहत कार्यों की सूची में शामिल नहीं किया जाएगा और यदि पहले शामिल किया गया है तो ऐसे कार्यों को सूची से हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

वर्ष 2025-26 के बजट का तथ्य भेजने के संबंध में यदि व्यय बजट में कोई नई मद सम्मिलित करनी हो तो प्रपत्र ठसीठ भरकर भेजना होगा। प्रत्येक वार्ड में मकानों की संख्या एवं क्षेत्रफल आधार आकलन के अनुसार बिलों की संख्या के अनुसार वर्ष 2024-25 की पिछली, वर्तमान एवं कुल मांग तथा वर्ष 2025-26 की संभावित मांग भेजी जाये।

यदि बजट मांग पिछले वर्ष से अधिक है तो उसका कारण अनिवार्य रूप से दर्शाना होगा। पिछले तीन वर्षों की मांग/चर्चा/वास्तविक व्यय को ध्यान में रखते हुए बजट आवंटित किया जाएगा। बजट प्रावधान के अलावा किसी भी कार्य पर कोई व्यय नहीं किया जाएगा। तथापि बजट प्रावधान के अतिरिक्त कितना व्यय किया जाना है तथा ऐसे कार्यों की सूची दें। जानकारी दिसंबर 2024 से पहले भेजनी होगी।

वडोदरा के गुरुकृपा होटल ने उत्तप्पा और कोल्ड ड्रिंक में कीड़ों के लिए नोटिस जारी किया है

वडोदरा,6 नवम्बर

वडोदरा में खाने-पीने के शौकीनों ने दिवाली के नए साल के जश्न के दौरान राजमहल रोड पर गुरुकृपा होटल में उत्तप्पा और कोल्ड ड्रिंक का आनंद लिया, जबकि होटलों में खाने-पीने का लुत्फ उठाया। सोशल मीडिया पर उटप्पा और कोल्ड ड्रिंक में कीट मिलने के वीडियो के आधार पर नगर पालिका के खाद्य विभाग ने होटल की जांच की और सैंपल लेकर नोटिस जारी किया।

गौरतलब है कि दिवाली नववर्ष उत्सव के मौके पर कुछ शौकीन लोग राजमहल रोड स्थित निगम कार्यालय के सामने गुरुकृपा होटल में उत्तप्पा का आनंद लेने गये थे। उत्प्पा की मस्ती के साथ फैन्स ने कोल्ड ड्रिंक का भी ऑर्डर दिया। लेकिन कोल्ड ड्रिंक और उत्तप्पा में कीड़ा निकला। उन्होंने इस बारे में एक वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। इसकी जानकारी होने पर नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने ट्विटर पर वीडियो देखकर तुरंत होटल की जांच की। फिर होटल मैनेजर को नोटिस जारी किया गया।

जीएसआरटीसी को दिवाली त्योहार फला, एक सप्ताह में 16 करोड़ से अधिक की कमाई की

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) के लिए दिवाली त्योहार लाभदायी साबित हुए हैं। एक सप्ताह के दौरान जीएसआरटीसी ने 7 लाख से अधिक टिकटें बुक कर रु. 16 करोड़ से भी ज्यादा की आय हासिल की है। जीएसआरटीसी की प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक दिवाली उत्सव को ध्यान में रखते हुए 29 अक्टूबर से 04 नवंबर 2024 तक गुजरात में कुल 6,617 अतिरिक्त बसें चलाई गईं, जिसमें एक सप्ताह में 7 लाख से अधिक टिकट बुक किए गए और इसके जरिए एसटी निगम को 16 करोड़ से अधिक की आय हुई है। 4 नवंबर को यात्रियों ने एक ही दिन में 1.41 लाख से ज्यादा सीटें और 3.15 करोड़ रुपये की बुकिंग कर अब तक एडवांस बुकिंग का नया रिकॉर्ड बनाया। दिवाली त्योहारों पर जीएसआरटीसी ने सूरत से सर्वाधिक 1,359 अतिरिक्त यात्राएं आयोजित कीं और 86,599 यात्रियों को समय पर उनके गृहनगर पहुंचाया और कुल 2.57 करोड़ रुपये की आय अर्जित की। यह परंपरा रही है कि नागरिक दिवाली का त्योहार अपनी जन्मभूमि पर जाकर मनाते हैं। इन त्योहारों को ध्यान में रखते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन और परिवहन मंत्री हर्ष संघवी के नेतृत्व में जीएसआरटीसी लगातार यात्रियों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। गुजरात के नागरिकों ने अपनी मातृभूमि सहित विभिन्न स्थानों पर जाने के लिए जीएसआरटीसी की सुरक्षित सवारी को अपनाया। इसके अंतर्गत गुजरात सड़क और परिवहन विभाग ने 29 अक्टूबर 2024 को 85,437 टिकट बुक किए और 2.00 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। इसी प्रकार 30 अक्टूबर को 83,426 सीटों पर 1.96 करोड़ रुपये से अधिक, 31 अक्टूबर को 82,190 सीटों पर 1.92 करोड़ रुपये से अधिक, 1 नवंबर को 94019 सीटों के जरिए 2.16 करोड़ से ज्यादा की आय, 2 नवंबर को 1,02,314 सीटों के जरिए 2.27 करोड़ रुपये, 3 नवंबर को 1,28,841 सीटों के जरिए 2.84 करोड़ रुपये से ज्यादा और 4 नवंबर को 1,41,468 सीटों की सबसे ज्यादा बुकिंग के जरिए 3.15 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

गुजरात में तीन हादसों में तीन की मौत, पांच घायल, चोटिला-भावनगर-कपराडा हादसा

भावनगर, 6 नवंबर

गुजरात के चोटिला, भावनगर और कपराडा में आज बुधवार को तीन हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई है। तीनों घटनाओं में पांच लोगों के घायल होने की बात सामने आयी है। लिंबडी चोटिला नेशनल हाईवे पर बलदाणा गांव के पाटिया के पास एक कार के ट्रक के नीचे आने से हादसा हो गया। इस घटना में कार में सवार एक महिला और एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई। चूंकि शव कार में फंसे हुए थे, इसलिए क्रेन का इस्तेमाल करना पड़ा और कार की चादरें हटानी पड़ीं।

भावनगर के सिदसर गांव के पास शामपारा चौक पर, बीएमसी के ठेका सफाई कर्मचारी शारदाबेन जीतूभाई वाघानी रोड की सफाई कर रहे थे, तभी एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वर्तेज पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की।

राज्य में खराब सड़कों के कारण बुधवार सुबह वापी से नासिक जाते समय कपराडा तालुका के अंबेती गांव में एक हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक, सड़क पर बड़ा गड्ढा होने के कारण बस चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण खो दिया और बस सड़क के किनारे उतर कर पलट गयी। इस हादसे में बस में सवार 35 यात्रियों की जान खतरे में पड़ गई।

जब आसपास के लोगों को हादसे की जानकारी मिली तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर बस में फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की और 108 एम्बुलेंस को सूचना दी गई। घटना में पांच लोग घायल हो गए और उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए नाना पोंधा सरकारी अस्पताल ले जाया गया। बस महाराष्ट्र राज्य परिवहन की निकली। वहीं खराब सड़कों के कारण स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राज्य में डूबने की घटना में तीन की मौत, सूरत में दो युवक डूबे, अमरेली में एक किशोर डूबा

सूरत ,6 नवंबर

अमरेली और सूरत जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। अमरेली के सावरकुंडला और सूरत के महुवा से डूबने से मौत की खबरें सामने आई हैं। सावरकुंडला के शेलाना गांव में स्थानीय झील में एक किशोर के डूबने की घटना सामने आई है। बालक के डूबने की सूचना मिलते ही ग्रामीण जुट गये और अग्निशमन दल से संपर्क किया गया। हालांकि, जब तक अग्निशमन विभाग उसे बाहर निकाला, तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। उधर, सूरत में नदी में नहाने गए दो दोस्तों की डूबने से मौत हो गई।

घटना सावरकुंडला के शेलाना गांव में करीब तीन बजे की है। सावरकुंडला के थावी गांव के युवक की पहचान विक्रम जयसुख कुकावा के रूप में हुई है। युवक शेलाना गांव में अपने घर आया हुआ था। जहां करीब तीन बजे दो-तीन बच्चे नहाये थे। इसी दौरान किशोर का पैर फिसल गया और वह झील में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय तैराकों समेत बड़ी संख्या में लोग झील पर पहुंच गये। हालांकि, लगभग एक घंटे की कोशिश के बावजूद किशोर का पता नहीं चलने पर तुरंत अमरेली अग्निशमन विभाग की टीम से संपर्क किया गया।

अग्निशमन विभाग की टीम ने एक घंटे की मशक्कत के बाद किशोर का शव बरामद कर लिया. बाद में, उन्हें पास के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। अस्पताल में युवक का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही अमरेली फायर फाइटर, सवकुंडला मामलतदार और पुलिस सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरी घटना से मृतक के परिजनों में मातम छा गया है।

सूरत शहर के नानपुरा इलाके में रहने वाले दो दोस्त, रोशन पटेल और विरल खलासी, खेती के काम के लिए सांबा गांव में अपने चाचा के पास गए थे। खेती के बाद दोपहर में वे दोनों अपने चचेरे भाइयों के साथ सांबा गांव में अंबिका नदी के पार बामनिया भूत मंदिर के दर्शन करने गए। दर्शन से लौटते समय उन्हें नदी में स्नान करना पड़ा। नाही से बाहर निकलने के दौरान दोनों युवकों में से एक का पैर फिसल गया और वह नदी के पानी के गहरे गड्ढे में डूब गया। उसे बचाने के प्रयास में दूसरा युवक भी पानी में उतर गया और वह भी गहरी धारा में खिंच गया।

अंबिका नदी के पानी में दो युवकों के डूब जाने पर स्थानीय तैराकों ने भारी शोर-शराबे के बीच पानी में खोजबीन शुरू की। लेकिन बारडोली फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी देने के बाद बारडोली फायर ब्रिगेड और स्थानीय तैराक मौके पर पहुंचे और कुछ ही घंटों में 27 वर्षीय रोशन पटेल और 35 वर्षीय विरल खलासी के शव को नदी से बाहर निकाल लिया। फिलहाल पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच कर रही है।

राजकोट-लालकुआं स्पेशल ट्रेन अब सप्ताह में दो दिन चलेगी

राजकोट (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजकोट और लालकुआं के बीच चलाई जा रही साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को सप्ताह में दो दिन चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है: ट्रेन संख्या 05046 राजकोट-लालकुआं स्पेशल 7 नवंबर से 2 दिसंबर, 2024 तक राजकोट से प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को चलेगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्या 05045 लालकुआं-राजकोट स्पेशल 6 नवंबर से 1 दिसंबर, 2024 तक लालकुआं से प्रत्येक रविवार और बुधवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 05046 के बढ़ाई गई फ्रीक्वेंसी की बुकिंग तत्काल प्रभाव से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया [illegible] पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सार्वजनिक जगहों पर थूंकने वालों की अब खैर नहीं, 5200 लोगों पर लगा 9 लाख का जुर्माना

सूरत (ईएमएस) शहर में सार्वजनिक जगहों पर थूंकना लोगों को महंगा पड़ सकता है। पहली बार सूरत में सार्वजनिक जगहों पर थूंकने वालों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। सूरत नगर निगम (एसएमसी) ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहली बार बड़ी संख्या में थूकने वालों पर कार्रवाई की है। एसएमसी ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी करने वालों पर 9 लाख का जुर्माना लगाया है।

दिवाली-न्यू ईयर समेत सड़क पर थूकने पर 5200 लोगों पर जुर्माना लगाया गया है। पुलों, डिवाइडरों, सड़कों और सर्किलों के पेंटवर्क को नुकसान पहुंचाने वालों पर कार्रवाई की गई है। साथ ही कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के 4500 सीसीटीवी से अब 24 घंटे निगरानी की जाएगी। दरअसल त्योहारों को लेकर महोत्सव ताने सूरत के सभी जोन में करोड़ों की लागत से पुल-सड़कों, सर्किलों का रंग-रोगन किया गया था। लेकिन सौंदर्यीकरण को मावा-गुटखा खाकर थूकने वालों ने बिगाड़ दिया। इसके चलते सार्वजनिक स्थानों पर खर्चे थूकने वालों के खिलाफ कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के 4500 कैमरों से निगरानी कर थूकने वालों को पकड़ा गया है।

सीसीटीवी के जरिए ऐसे 5200 लोगों पर 9 लाख का जुर्माना लगाया गया है। एसएमसी का दावा है कि सूरत में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में थूकने वालों पर कार्रवाई की गई है। हालांकि कार्रवाई के बाद भी ऐसे थूकने वाले सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसलिए नगर निगम ने आने वाले दिनों में सख्ती बढ़ाने और जुर्माने की राशि दोगुनी करने की तैयारी शुरू कर दी है। त्योहारों को लेकर महोत्सव ताने सूरत के सभी जोन में करोड़ों की लागत से पुल-सड़कों, सर्किलों का रंग-रोगन किया गया था। लेकिन सौंदर्यीकरण को मावा-गुटखा खाकर थूकने वालों ने बिगाड़ दिया।

लिव इन पार्टनर से तंग आकर युवती ने स्युसाइड कर लिया, जांच में जुटी पुलिस

वडोदरा (ईएमएस) शहर के वरणामा थाना क्षेत्र में किराए पर रहने वाली और कुत्तों को बचाने का काम करने वाली एक युवती का शव मिला था। इस मामले में करीब दस दिन बाद पुलिस ने आरोपी लिव-इन पार्टनर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। घटना के बाद से लिव-इन पार्टनर फरार है। मृतक की बहन स्नेहल सूरजकुमार पटेल द्वारा वरणामा पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उसकी बहन शर्मिष्ठा दिनेशभाई तडवी और शहर की सिद्धि सिद्धि सोसायटी निवासी अतुल चंद्रभाई राज लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे।

शर्मिष्ठा कुत्तों को बचाने का काम करती थीं और वह करुणा जीव आश्रय नाम से एक कुत्ता बचाव एनजीओ पंजीकृत करना चाहती थी। लेकिन उसका लिव-इन पार्टनर अतुल राज इस बात से सहमत नहीं था। पिछले दो महीने से अतुल राज संस्था का रजिस्ट्रेशन न कराने को लेकर शर्मिष्ठाबेन से झगड़ा कर रहा था। इसके साथ ही वह शर्मिष्ठा को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करता था। इतना ही नहीं अतुल राज खुद को मशहूर करने और दबाव बनाने के लिए शर्मिष्ठा पर दूसरे लोगों के साथ संबंध होने का झूठा आरोप भी लगाता था और वह झूठी कसमें खाता हुए शर्मिष्ठा से झगड़ा करता था। गत 24 अक्टूबर को दोनों के बीच फोन पर जमकर झगड़ा हुआ। जिसमें अतुल राज ने शर्मिष्ठा पर फोन पर अफेयर का झूठा आरोप लगाकर उसे मानसिक यातना दी। इस प्रताड़ना से तंग आकर शर्मिष्ठा ने घर के पंखे पर लटक अपनी जान दे दी। शर्मिष्ठा का शव मिलने के बाद वरणामा पुलिस थाने में अतुल राज के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। जानकारी है कि आरोपी के पिता एक सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी हैं।

JSW MG मोटर ने बेचीं विंडसर की 3116 यूनिट्स

अक्टूबर 2024 में देश की कुल पैसेंजर इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में करीब 30% की रही हिस्सेदारी

गुरुग्राम, 06 नवम्बर 2024: JSW MG मोटर इंडिया ने हाल ही में लॉन्च की गई भारत की पहली इंटेलिजेंट CUV, MG विंडसर की अक्टूबर 2024 में जबर्दस्त बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने अक्टूबर में CUV की 3116 यूनिट्स बेची हैं। जो अक्टूबर में कुल पैसेंजर इलेक्ट्रिक कार बिक्री का लगभग 30% है।

कंपनी ने अक्टूबर 2024 में 7045 यूनिट्स की बिक्री के साथ सालाना आधार पर 31% की ग्रोथ दर्ज की है। कंपनी की स्थापना के बाद यह का सबसे अधिक बिक्री का आंकड़ा है। स्वच्छ भविष्य के लिए सस्टेनेबल मोबिलिटी सॉल्यूशन को लेकर कार कंपनी जितनी तेजी से फोकस कर रही है, उसके बेहतर परिणाम दिखाई देने लगे हैं। इसके NEV पोर्टफोलियो ने मासिक आधार पर सेल्स ग्रोथ में बड़ा योगदान दिया है। अक्टूबर में, NEV ने JSW MG मोटर इंडिया की कुल बिक्री में 70% का योगदान दिया। यह आंकड़ा ग्राहकों के बीच कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो की बढ़ती लोकप्रियता को प्रदर्शित करता है। ये थोक बिक्री के आंकड़े हैं

पत्नी के प्रेमी की हत्या कर फरार आरोपी पति गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) शहर के लसकाणा इलाके में लूम्स के कारखाने में हत्या की हुई लाश बरामद होने के मामले में पुलिस ने चंद घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि नाजायज संबंधों के चलते हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। जानकारी मुताबिक सूरत में लसकाणा इलाके के कृष्णानगर इंडस्ट्री में एक युवक की हत्या की हुई लाश बरामद हुई थी। अकाउंट के मालिक ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। अकाउंट के मालिक रमेश बघासिया ने पुलिस को बताया कि जयेश देशराज का आरोपी अर्जुन केवट की पत्नी के साथ अफेयर था, जो पहले उसके अकाउंट में काम करती थी। मृतक जयशंकर अक्सर आरोपी की पत्नी से फोन पर बातचीत करता था, जिसके कारण पहले भी विवाद हुआ था। उसी दिन आरोपी अर्जुन जयशंकर से भी झगड़ा हुआ था। झगड़ा बढ़ने पर जयशंकर ने अर्जुन को किसी कुंद वस्तु से मारा और गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले और आरोपी अर्जुन को कामरेज से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अर्जुन मूल रूप से उत्तर प्रदेश के फतेपुर का मूल निवासी है। जबकि मृतक जयशंकर उत्तर प्रदेश के आलमपुर का रहने वाला था।

पश्चिम रेलवे-वडोदरा मंडल

इंजीनियरिंग विभाग

ई-निविदा सूचना संख्या: DRM-BRC 098 of 2024-25; भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (WA/C), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा - 390 004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्र.सं. (1) निविदा सं.: DRM BRC 098 of 2024-25. कार्य का नाम:** वडोदरा मण्डल:- गोधरा स्टेशन पर लीकेज प्रूफिंग, फ्लोरिंग, वॉटरिंग एवं ड्रेनेज लाइन संशोधन आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के संबंध में सर्विस बिल्डिंग में सुधार। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 2,01,96,520.85/- **बोली सुरक्षा जमा कराना:** ₹ 2,51,000.00/- **निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय:** निविदाएं दि. **28.11.2024** को **15.00 बजे** से पहले जमा कराना है और उसी दिन **15.30 बजे** खोली जाएगी। **वेबसाइट विवरण और सूचना बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण देख सकते हैं: वेबसाइट @ www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक (WA/C) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा - 390 004**

W/623/NIT of 2024-25 dated 05.11.2024 219

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

हम यहाँ शराब का कारोबार करेंगे..!! वडोदरा में बूटलेगर ने छह लोगों पर चप्पू-तलवार से हमला किया

वडोदरा,6 नवंबर

वडोदरा के तरसाली इलाके में बुडा के मकान में रहने वाले एक युवक पर शराब तस्कर ने अपने पिता के साथ मिलकर चाकू और तलवार से हमला कर दिया। हम यहीं शराब का कारोबार करेंगे, तुम्हें जो करना है कर लो, बीच बचाव कर रहे युवक के भाई समेत दोस्त मिल गए और छह लोगों पर हमला कर दिया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। युवक ने मकरपुरा थाने में शिकायत दर्ज करायी है और पुलिस पिता-पुत्र को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

वडोदरा शहर के तरसाली इलाके में बुडा हाउस निवासी विशाल विनुभाई लुहार ने शिकायत दर्ज कराई कि 5 नवंबर को शाम को मैं अपने दोस्त जावेद के साथ घर के बाहर सड़क पर खड़ा था। इसी बीच पहले मेरा दोस्त विक्की हेमन्त जोशी जो अब मकरपुरा ग्राम जलारामनगर में रहता है, लेकिन उसकी सीट ज्यादातर हमारे तरसाली वुडा हाउस में रहती है, विक्की जोशी और उसके पिता हेमन्त जोशी ने मुझसे झगड़ा किया था और इसी विक्की ने मेरे सीने के नीचे पेट में मारा था। उस समय चप्पू मेरा दिधू था और उसके पिता हेमन्त जोशी ने मुझ पर तलवार से हमला किया और गद्दापटनी ने मुझे सार्वजनिक रूप से गाली देना शुरू कर दिया और मुझसे कहा कि मैं यहां शराब का कारोबार करने जा रहा हूं और धमकी दी कि मैं तुम्हारे साथ कुछ भी करूंगा। जब हरिदास ने मेरे रिश्तेदार फुवा को पिटाई से बचाने के लिए हस्तक्षेप किया, तो विक्की ने मेरे फुवा को थप्पड़ मार दिया। वे कार में बैठकर अस्पताल जाते थे। उस समय मुझे कार में बिठाते समय विक्की और उसके पिता ने मुझे धमकी देते हुए कहा कि आज तो तुम बच गये लेकिन अगली बार सावधान रहना, मुझसे और मेरे सामान दोस्तों से झगड़ा किया आदि। मुझे, मेरे फुआ हरिदासभाई लुहार और भाई सहित छह लोगों को चोटों के इलाज के लिए एसएसजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। मकरपुरा पुलिस ने युवक की शिकायत के आधार पर बूटलेगर और उसके पिता हेमंत जोशी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसे पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-एम.एच.-अ-30102024-258346

CG-MH-E-30102024-258346

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4339] नई दिल्ली, मंगलवार, अक्तूबर 29, 2024/कार्तिक 7, 1946

No. 4339] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 29, 2024/KARTIKA 7, 1946

रेल्वे मंत्रालय

(पश्चिम रेलवे)

अधिसूचना

मुंबई, 28 अक्तूबर , 2024

का.आ. 4715(अ).--केंद्रीय सरकार ने रेल अधिनियम, १९८९ (१९८९ का २४) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा २०क की उपधारा (१) के आधीन जारी, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II खंड-३, उपखण्ड (ii), तारीख २१ नवम्बर २०२३ में प्रकाशित, भारत सरकार के रेल मंत्रालय (पश्चिम रेलवे) की अधिसूचना संख्या का.आ. ५०००(अ) द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिदिष्ट को गुजरात राज्य के वड़ोदरा जिले के वाघोड़िया तालुका पिपलिया गाँव में **"गति शक्ति विश्वविद्यालय का विकास परियोजना, वड़ोदरा"** नाम की विशेष रेलवे परियोजना नाम की विशेष रेल परियोजना के निष्पादन, रखरखाव, प्रबंधन और संचालन के लिए आवश्यक है, ऐसी भूमि के अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी,

और उक्त अधिसूचना का सार, उक्त अधिनियम की धारा २०क की उपधारा (४) के आधीन दैनिक स्थानीय समाचार पत्रों, अर्थात टाइम्स ऑफ़ इंडिया, दिव्या भाष्कर, जन हितैशी, गुजरात समाचार तारीख २४ नवम्बर २०२३ को प्रकाशित किया गया था।

और सक्षम अधिकारी को आक्षेप प्राप्त हुए थे, सक्षम अधिकारी द्वारा उन आक्षेपों की सुनवाई की गयी एवं उक्त अधिनियम की धारा २०घ के अनुसरण में आदेश पारित कर दिए गए है;

और सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा २०ड की उपधारा (१) के अनुसरण में अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

अतः अब, केंद्रीय सरकार, सक्षम अधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त होने पर और उक्त अधिनियम की धारा २०ड की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उपाबद्ध अनुसूची भूमि विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित कि जाएगी।

अतः यह कि केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम कि धारा २०ड की उपधारा (२) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना में राजपत्र में प्रकाशित होने पर इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर

केंद्रीय सरकार में आत्यंतिक रूप से निहित हो जाएगी।

अनुसूची

गुजरात राज्य में विशेष रेलवे परियोजना अर्थात् "गति शक्ति विश्वविद्यालय परियोजना का विकास" के लिए संरचना सहित या संरचना के बिना अधिग्रहीत की जाने वाली भूमि का संक्षिप्त विवरण।

तालुका: वाघोडिया — जिल्हा - वडोदरा

गांव: पिपलिया

क्रम संख्या	नया सर्वे नं	संपत्ति कार्ड नं	पुराना सर्वे नं	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)
१	८६७	एन ए/22/पी3	22/पी3	निजी भूमि	गैर कृषि	४८८३२
अर्जित किया जाने वाला कुल क्षेत्रफल वर्ग मीटर में						**४८८३२**
अधिग्रहित किया जाने वाला कुल क्षेत्रफल हेक्टर में						**४.८८**

[फा. सं.ई आफिस- (E-573428-1)]

राजेश श्रीवास्तव, मुख्य परियोजना प्रबंधक (निर्माण) - II

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने स्विफ्ट जीपीआई के जरिए विदेश भेजे गए फंड की रियल-टाइम ट्रैकिंग शुरू की

, नवंबर, 2024: आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने स्विफ्ट के सहयोग से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह विदेश भेजे गए पैसों की रियल-टाइम ट्रैकिंग सर्विस पेश करने वाला पहला भारतीय बैंक बन गया है। यह सर्विस बैंक के पुरस्कार विजेता मोबाइल एप्लिकेशन और इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। भारतीय बैंकिंग इंडस्ट्री में यह अभूतपूर्व उपलब्धि बैंक की निर्बाध और कुशल बैंकिंग समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और इसके 'कस्टमर फर्स्ट' दृष्टिकोण को पुनः परिभाषित करती है।

इस साझेदारी पर बोलते हुए, श्री चिन्मय ढोबले, हेड रिटेल लाइबिलिटीज़ एंड ब्रांच बैंकिंग, ने कहा, स्विफ्ट जीपीआई सर्विसेस की शुरुआत हमारी उन्नत तकनीकों को अपनाने और बैंकिंग इंडस्ट्री में बेहतर बदलाव लाने की हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करती है। रियल-टाइम ट्रैकिंग के साथ, हम अपने ग्राहकों को उनके क्रॉस-बॉर्डर ट्रांजेक्शन्स की पूरी जानकारी देकर, उन्हें अधिक सुविधा और संतुष्टि प्रदान कर रहे हैं।

श्री किरण शेट्टी, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और रीजनल हेड, स्विफ्ट, ने कहा, टआईडीएफसी फर्स्ट बैंक दक्षिण एशिया में जीपीआई को एपीआई के माध्यम से लाइव करने वाला पहला भारतीय बैंक बन गया है, इसके लिए हमारी ओर से बैंक को हार्दिक बधाई।

क्रॉम्पटन ने रसोई के लचीलेपन में क्रांति लाने के लिए (Nigella) प्रो मिक्सर लॉन्च किया

तकनीकी प्रगति और उपभोक्ता संतुष्टि के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के साथ, क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपने रसोई उपकरणों के पोर्टफोलियो में एक नए अतिरिक्त के रूप में (Nigella) प्रो मिक्सर 500 मिक्सर ग्राइंडर लॉन्च किया है। अपनी शक्तिशाली 500 वॉट ड्राइव मोटर के साथ, यह तेजी से पीसने और मिश्रण करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे आपकी दैनिक खाना पकाने की दिनचर्या में आपका बहुमूल्य समय बचता है। (Nigella) निगेला प्रो मिक्सर ग्राइंडर को आपके पाक अनुभव को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो चर्फ मिलाने से लेकर नाजुक सामग्री को बारीक पीसने तक के सबसे कठिन काम करता है। ग्राइंड, ब्लेंड, स्टोर और कैरी जारः (Nigella) प्रो में कवर ढक्कन और सिपर कैप के साथ विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए डस्ट जार शामिल हैं जो उन्हें ग्राइंडिंग से लेकर स्टोरेज और यहां तक कि व्यस्त तक आसानी से बदलने में मदद करते हैं। नए लॉन्च किए गए उत्पाद पर बोलते हुए, क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के छोटे उपकरणों के पीएल प्रमुख केतन चौधरी ने कहा, " (Nigella) प्रो मिक्सर ग्राइंडर के लॉन्च के साथ, हम अपने ग्राहकों की रसोई में सुविधा को फिर से परिभाषित करने के लिए उत्साहित हैं। यह अभिनव उत्पाद है खाना पकाने के अनुभव को बढ़ाता है, जिससे उपयोगकर्ता आसानी से पौष्टिक स्मूदी से लेकर स्वादिष्ट सॉस तक विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार कर सकते हैं। आज की व्यस्त जीवनशैली की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया, (Nigella) को सुविधा, दक्षता और बहुमुखी प्रतिभा चाहने वाले आधुनिक घरों के लिए एक स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाता है। जंग और रिसाव-मुक्त स्टेनलेस स्टील जार के साथ (Nigella) प्रो भारत भर के घरों में मिश्रण अनुभव को बदलने के लिए तैयार है। उत्पाद की कीमत रु. 3500 और यह सभी क्रॉम्पटन अधिकृत खुदरा दुकानों और प्रमुख ईकॉमर्स प्लेटफार्मों पर उपलब्ध है। यह नवोन्मेषी उत्पाद सुबह को आसान, भोजन को स्वस्थ और जीवन को आसान बनाने के लिए तैयार है।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96